कोटद्वार,सोमवार
8 जनवरी 2024
वर्षः 45
अंकः 247 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00
RNI-35469/79

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com

स्थापित 1979

संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2021-23 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

बॉम्बे हाईकोर्ट का बड़ा फैसला : तलाक के बाद भी मुस्लिम महिला अपने पूर्व पति से गुजारे–भत्ते की हकदार

मुंबई , बॉम्बे हाई कोर्ट ने तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं के हक में बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने तलाक के बाद गुजारा भत्ते से जुड़े एक मामले में फैसला सुनाते हुए कोई भी तलाकशुदा मुस्लिम महिला अपने पूर्व पति से बिना किसी शर्त के भरण पोषण पाने की हकदार है। भले ही उसने दूसरी शादी ही क्यों न कर ली हो। बॉम्बे हाईकोर्ट के जस्टिस राजेश पाटिल ने इस मामले में 2 जनवरी को सुनाए अपने फैसले में कहा, ह्यमुस्लिम महिला (तलाक पर अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम– 1986 का सार यह है कि एक तलाकशुदा महिला अपने भरण–पोषण के लिए पूर्व पति से गुजारा भत्ता लेने की हकदार है। इसमें यह मायने नही रखता कि उसने दूसरी शादी कर ली है। जस्टिस पाटिल ने इसके साथ ही शख्स द्वारा अपनी पूर्व पत्नी को एकमुश्त गुजारा भत्ता देने के पिछले दो आदेशों को दी गई चुनौती को खारिज कर दिया। कोर्ट ने साफ किया कि धारा 3 (1) (ए) के तहत पति और पत्नी के बीच हुआ तलाक अपने आप में पत्नी के लिए भरण–पोषण का दावा करने के लिए पर्याप्त है। ऐसा अधिकारज् तलाक के दिन ही साफ हो जाता है। बता दें कि इस जोड़े की शादी फरवरी 2005 में हुई थी और दिसंबर 2005 में एक बेटी का जन्म हुआ। इसके बाद पति काम के लिए विदेश चले गए, तो जून 2007 में, पत्नी और उनकी बेटी अपने माता–पिता के साथ रहने चली गईं।

इसके बाद अप्रैल 2008 में पति ने महिला को रजिस्टर्ड डाक से तलाक दे दिया। ऐसे में महिला ने एमडब्लूपीए के तहत अपने और अपनी बेटी के भरण–पोषण के लिए आवेदन किया। अगस्त 2014 में महिला की याचिका पर सुनवाई करते हुए चिपलुन मजिस्ट्रेट ने उन्हें 4.3 लाख रुपये का गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया। फिर मई 2017 में खेड़ सेशन कोर्ट ने इसे बढ़ाकर 9 लाख रुपये कर दिया। ऐसे में उस शख्स ने कोर्ट ने इस आदेश को बॉम्बे हाईकोर्ट में चुनौती दी, जहां जस्टिस पाटिल को बताया गया कि उसने अप्रैल 2018 में पत्नी को तलाक दिया था और अक्टूबर 2018 में महिला ने दूसरी कर ली थी। पति के वकील शाहीन कपाडिया और वृषाली मेनदाद ने कहा कि वह उसे गुजारा भत्ता देने के लिए उत्तरदायी नही है, क्योंकि उसने दूसरी शादी कर ली है। उन्होंने कोर्ट से कहा कि वह पुनर्विवाह होने तक ही इस राशि की हकदार थी।

मोरी में छह लाख की चरस पकड़ी

उत्तरकाशी। अवैध नशे पर उत्तरकाशी जनपद पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम ने मोरी में 3 किलो 4 ग्राम अवैध चरस के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पकड़ी गई चरस की बाजार कीमत करीब छह लाख रुपये आंकी गई है। एसपी उत्तरकाशी ने टीम को पांच हजार रुपये का नकद पुरस्कार देने की घोषणा की है। ड्रग्स फ्री देवभूमि मिशन–2025 को सफल बनाने के लिए उत्तरकाशी पुलिस लगातार सक्रिय है।

एसपी अर्पण यदुवंशी ने पत्रकारों को बताया कि मोरी पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम ने गत रात्रि को जेपी पुल मोरी के पास जयवीर सिंह राणा पुत्र सैदर सिंह राणा (52) निवासी ग्राम सिरगा थाना मोरी उत्तरकाशी को तीन किलो से ज्यादा चरस के साथ पकड़ा है। मोरी थाने में आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस ऐक्ट में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस उपाधीक्षक ऑपरेशन प्रशान्त कुमार के निकट पर्यवेक्षण में प्रभारी एसओजी प्रकाश राणा और थानाध्यक्ष मोरी मोहन कठैत के नेतृत्व में अवैध चरस को पकड़ा गया। एसपी ने बताया कि उत्तरकाशी के सदूरवर्ती क्षेत्रों में अवैध नशे, अफीम, चरस आदि की लगातार तस्करी की जानकारी प्राप्त हो रही थी, जिस पर हमने ऐसे संदिग्ध क्षेत्रों मे पुलिस को एक्टिव किया हुआ है। पकड़ी गई चरस आरोपी ने स्वयं तैयार की है जिसको वह अच्छे मुनाफे में बेचने के लिए तराई क्षेत्र में ले जा रहा था। आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। टीम में श्याम बाबू, अनिल तोमर, गणेश राणा, संजय सिंह आदि थे।

भगवान राम का भजन भाव विभोर करने वाला है-पीएम मोदी

नई दिल्ली। 22 जनवरी का हर देशवासी इंतजार कर रहा है। इसी दिन अयोध्या में बन रहे राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम होगा। इससे पहले लोगों के अंदर जबरदस्त खुशी का माहौल देखने को मिल रहा है। सोशल मीडिया पर भगवान राम पर बने गानों को शेयर किया जा रहा है और कई तरह से वीडियो भी बनाए जा रहे है। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री नरेद्र मोदी भी लगातार भगवान राम पर बने गानों को शेयर कर रहे हैं।

गीताबेन रबारी का गाना किया शेयर

'राम आएंगे तो अंगना सजाऊंगी' को गाने वाली सिंगर स्वाति मिश्रा का संगीत शेयर करने के बाद अब पीएम मोदी ने ७ (पूर्व में ट्विटर) पर एक और सिंगर का संगीत शेयर किया है। भगवान राम पर बना गाना 'श्री राम घर आए' संगीत को सिंगर गीताबेन रबारी ने गाया है। इस गाने को पीएम मोदी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर किया है। उन्होंने सिंगर गीताबेन रबारी के भजन को भावविभोर करने वाला बताया।

राम लला के आगमन का इंतजार खत्म

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) गाना शेयर करते हुए लिखा, 'अयोध्या में प्रभु श्री राम के दिव्य–भव्य मंदिर में राम लला के आगमन का इंतजार खत्म होने वाला है। देशभर के मेरे परिवारजनों को उनकी प्राण–प्रतिष्ठा की बेसब्री से प्रतीक्षा है। उनके स्वागत में गीताबेन रबारी जी का ये भजन भावविभोर करने वाला है।'बता दें कि पीएम मोदी ने कुछ दिनों पहले लोगों से राम पर बने गाने, भजनों या काव्य किसी भी प्रकार के संगीत को श्रीराम भजन हैश टैग के साथ शेयर करने का आग्रह किया था।

पहले भी कर चुके इतने गाने शेयर

इससे पहले पीएम मोदी ने भगवान राम पर बने 4 और गानों को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शेयर किया था। उन्होंने बिहार की रहने वाली फेमस यूट्यूबर स्वाति मिश्रा, फेमस यूट्यूब सिंगर हंसराज रघुवंशी और जुबिन नौटियाल द्वारा गाए गए भगवान राम के गानों को शेयर किया था। ये गाने हैं:

'राम आएंगे तो अंगना सजाऊंगी'– स्वाति मिश्रा

'मेरे घर राम'– जुबिन नौटियाल
'जय श्री राम'– हंसराज रघुवंशी
'राम आएंगे'– स्वस्ति मेहुल

करोड़ों की धोखाधड़ी के आरोपी की जमानत खारिज

नैनीताल। प्रभारी जिला एवं सत्र न्यायाधीश विजय लक्ष्मी विहान की कोर्ट ने जमा निवेशकों व ग्राहकों से 10 करोड़ से अधिक रुपये की धोखाधड़ी करने वाले आरोपी एक चिटफंड कंपनी के निदेशक अरविंद पंत व सह आरोपी अंकिता जोशी की जमानत खारिज कर दी।

जमानत प्रार्थना पत्र का विरोध करते हुए जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी सुशील कुमार शर्मा ने कोर्ट को बताया कि 5 अगस्त 2023 को थाना हल्द्वानी में राजेंद्र सिंह ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि अरिवंद पंत ने वर्ष 2016 में उसे अपनी वित्तीय लेनदेन से संबंधित संस्था में चालक के रूप में नौकरी दी।

इसके बाद उन्होंने झांसे में लेकर उसके रिश्तेदारों से लाखों रुपये जमा कराए। इसी तरह की रिपोर्ट बैलपड़ाव की उमा रावत व 6 अन्य लोगों ने भी दर्ज कराई। आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया था। जिनकी जमानत अर्जी की सुनवाई के बाद कोर्ट ने आरोपों को गंभीर पाते हुए दोनों आरोपियों की जमानत खारिज कर दी।

मोदी के अपमान पर भड़का भारत, तीन मंत्री बर्खास्त

सैकड़ों भारतीयों ने बुकिंग करवाई रद्द

दिल्ली। राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के सत्ता में आने के बाद से ही मालदीव सरकार की तरफ से जिस तरह से भारत विरोधी रवैया अपनाया गया है उसका असर इतना शीघ्र दिखाई देगा यह किसी ने सोचा नहीं था। मालदीव सरकार ने अपने उन सभी मंत्रियों को बर्खास्त कर दिया है जिन्होंने पीएम नरेन्द्र मोदी की लक्षद्वीप दौरे के समय जारी फोटो पर काफी आपत्तिजनक टिप्पणियां की थी। मालदीव सरकार ने अपने ही तीन मंत्रियों मरियम शिऊना, मालशा शरीफ और हसन जहान को बर्खास्त किया है। बर्खास्तगी का यह कदम पीएम मोदी पर की गई टिप्पणियों के विरोध में सैकड़ों भारतीयों की तरफ से मालदीव में होटल बुक्किग और हवाई जहाज की टिकट बुकिंग करने और भारतीय विदेश मंत्रालय की तरफ से इस बारे में वहां की सरकार के समक्ष मामला उठाने के बाद उठाया गया है। अपुष्ट आंकड़ों के अनुसार चार हजार से ज्यादा

भारतीयों ने मालदीव में अपनी बुच्कग रद कराई है। इन मंत्रियों व कुछ दूसरे राजनेताओं की तरफ से भारत पर की गई टिप्पणियों के बाद सोशल मीडिया पर जबरदस्त मालदीव विरोधी माहौल बना।

सैकड़ों भारतीयों ने रद्द की मालदीव जाने की अपनी टिकटें

सैकड़ों भारतीयों ने मालदीव जाने की अपनी टिकटें रद्द कराने की सूचना सार्वजनिक की। इसके पहले माले स्थित भारतीय उच्चायुक्त मुनु महावर ने वहां के वरिष्ट अधिकारियों के समक्ष भारत की आपत्ति को दर्ज भी कराया। इस दौरान मालदीव की विपक्षी पार्टियों के अलावा पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद नाशीद, पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद सोलिह, पूर्व विदेश मंत्री अबदुल्लाह शाहिद ने भी पीएम मोदी को लेकर की गई टिप्पणियों पर अपनी गहरी नाराजगी का इजहार किया ।

फैक्ट्री कर्मी की ट्रक की चपेट में आकर मौत

रुड़की। ट्रक की चपेट में आकर कस्बे के फैक्ट्री कर्मी की मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस का कहना है कि तहरीर पर मुकदमा पंजीकृत कर जांच की जाएगी। ट्रक को पुलिस ने कब्जे में लिया है। पुलिस के अनुसार शनिवार देर रात फैक्ट्री कर्मी अमित कुमार (25) निवासी इमलीखेड़ा थाना कलियर काम पूरा कर रायपुर चौक के पास पहुंचा। इस बीच ट्रक की चपेट में आकर अमित गंभीर रूप से घायल हो गया। दुघर्टना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने 108 के मदद से अमित को रुड़की के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उपचार के दौरान अमित ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने ट्रक को भी कब्जे में लिया है। थाना प्रभारी रमेश तनवार ने बताया कि फैक्ट्रीकर्मी के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। ट्रक पुलिस के कब्जे में है, तहरीर आने पर कार्रवाई की जाएगी।

इस दिन से अयोध्या नहीं जा सकेंगे लोग, प्रशासन ने लगाई रोक

अमेठी, एजेंसी। अयोध्या के राम मंदिर में भगवान की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा आगामी 22 जनवरी को होने जा रही है और इसके लिए तैयारियां जोर शोर से चल रही हैं। इस समारोह के लिए साधु–संतों सहित वीवीआईपी और वीआईपी मेहमानों को आमंत्रण भेजा जा रहा है। वहीं आम लोगों को अयोध्या जाने के लिए रोक लगा दी गई है। प्राण प्रतिष्ठा के दो दिन पूर्व से ही आम लोगों को अयोध्या जाने के लिए रोक लगा दी गई है। जिले के आम लोगों को अयोध्या आने पर होने वाली समस्या से बचाने के लिए यहां न आने की सलाह दी गई है और यहां आने से लोगों को आने से रोकने की जिम्मेदारी पंचायत सचिवों एवं ग्राम प्रधानों को दी गई है। बस व ट्रेन की बुकिंग भी कैंसल करने का निर्देश दिया गया है।अयोध्या में आगमी 22 जनवरी को राम मंदिर के गर्भगृह में रामलला की प्रतिमा स्थापित की जाएगी। इस मौके पर राम लला के दर्शन के लिए देश–विदेश से श्रद्धालु अयोध्या पहुंचना चाहते हैं। हालांकि प्राण प्रतिष्ठा के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत दिग्गज हस्तियों के शामिल होने के कारण यहां प्रोटोकॉल लागू होगा। इस दिन अयोध्या में सुरक्षा व्यवस्था काफी मजबूत होगी। ठहरने

के लिए होटलों और भोजनालयों में भी काफी भीड़ हो सकती है। ऐसे में अगर आप 22 जनवरी को अयोध्या जाने की सोच रहे हैं तो आपको काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है।जिलाधिकारी अमेठी राकेश कुमार मिश्र ने बताया कि प्रधानमंत्री जी द्वारा श्री राम मंदिर अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के चलते 20, 21 व 22 जनवरी को आम लोगों के अयोध्या जाने पर रोक लगाई गई है। उन्होंने आगे बताया कि ग्राम प्रधान, पंचायत सचिव और लेखपालों के माध्यम से उक्त तिथियां में जनपद वासियों को अयोध्या जाने से रोकने के लिए प्रचार प्रसार करने के निर्देश दिए गए हैं। बस व रेलवे की बुकिंग को भी उक्त तिथियों में निरस्त करने को कहा गया है। इसके अतिरिक्त अन्य जनपदों से आने वाले लोगों को भी उपरोक्त तिथियां में अयोध्या पहुंचने से रोकने के निर्देश पुलिस विभाग को दिए गए हैं।इसके पूर्व 30 दिसंबर को अयोध्या दौरे पर आए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोगों से एक अपील की थी। पीएम मोदी ने अपील करते हुए कहा था कि 22 जनवरी को अयोध्या न आएं। उन्होंने कहा था कि आपने 550 साल से अधिक समय तक इंतजार किया है। कुछ समय और इंतजार करें। हर किसी की इच्छा है कि 22 जनवरी के आयोजन का हिस्सा बने और स्वंय वह अयोध्या आएं लेकिन 22 जनवरी को हर किसी के लिए अयोध्या आना संभव नहीं है। इसलिए रामभक्तों से मेरा आग्रह है कि 22 जनवरी को एक बार रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हो जाने के बाद तय कार्यक्रम के तहत अयोध्या आएं। उन्होंने 22 जनवरी को अपने घरों में श्री राम ज्योति जलाने की अपील की थी।

भगवान परशुराम द्वार का भूमि पूजन व शिलान्यास किया

देहरादून। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवम आठ बार विधायक रहे स्व.हरबंस कपूर जी के जन्म दिवस पर आज चकरौता रोड स्तिथ बिंदाल के निकट कैंट विधायक सविता कपूर द्वारा भगवान परशुराम द्वार का मंत्रोच्चार के बीच विधिविधान के साथ भूमि पूजन व शिलान्यास किया गया। इस अवसर पर विधायक कपूर द्वारा बताया गया कि वैदिक ब्राह्मण सभा की एक लम्बे समय से चली आ रही मांग को पूर्ण करने का स्व. हरबंस कपूर जी ने आश्वासन दिया था। जिसको आज मेरे द्वारा संपन्न किया जा रहा है। विधायक कोटे से उक्त परशुराम द्वार का भव्य निर्माण किया जाएगा।

इस अवसर पर उपस्थित निवर्तमान पार्षद सुरेंद्र कुकरेजा ने कहा कि आज लोकप्रिय विधायक रहे विकास पुरुष स्व. हरबंस कपूर जी के जन्म दिवस पर उनके सपनों को साकार होते देख रहे है। उनके अधूरे कार्यों को श्रीमती कपूर पूर्ण करने में लगी हैं।

निवर्तमान मेयर सुनील उनियाल गामा जी ने कहा कि परशुराम मार्ग, परशुराम चौक के बाद परशुराम द्वार का निर्माण एक नगर की उपलब्धि है। इस दिशा में वैदिक ब्राह्मण सभा एवम ब्राह्मण समाज महासंघ के प्रयास सराहनीय है।

ब्राह्मण नेता पंडित लाल चंद शर्मा ने कहा कि अब हमें राजधानी में ब्राह्मण धर्मशाला की स्थापना एवम अपने इष्टदेव भगवान श्री परशुराम जी के अवतरण दिवस पर सार्वजनिक अवकाश कराने हेतु प्रयास करने को तत्पर रहना है। उन्होंने स्व. हरबंस कपूर जी, विधायक सविता कपूर एवम निवर्तमान मेयर सुनील उनियाल गामा जी के सदप्रयासो की मुक्त कंठ से सराहना की। इस अवसर पर ब्राह्मण समाज महासंघ के अध्यक्ष प्रमोद मेहता, महामंत्री शशि शर्मा, पंडित सुभाषचंद जोशी, वैदिक सभा के महामंत्री गौरव बख्शी, डॉ. वी.डी. शर्मा, राजेश शर्मा, मनमोहन शर्मा, पंडित शशिकांत दूबे, केशव पचौरी सागर, सचिन गुप्ता सहित काफी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित थे।

डकैती में फरार दो लाख का इनामी एसटीएफ ने दबोचा

देहरादून। डोईवाला में कैबिनेट मंत्री के भाई के घर डकैती में फरार चल रहे दो लाख रुपये के इनामी बदमाश को एसटीएफ ने गिरफ्तार कर लिया।

आरोपी के खिलाफ दिल्ली, यूपी और उत्तराखंड में गंभीर अपराध के कुल 19 मुकदमे दर्ज हैं। आरोपी वेश बदलकर जगह-जगह रहता था। परिजनों से संपर्क करने के लिए राह चलते लोगों के फोन मांगकर संपर्क करता। एसएसपी एसटीएफ आयुष अग्रवाल ने रविवार को अपने कार्यालय में प्रेस वार्ता कर आरोपी की गिरफ्तारी की जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि 15 अक्तूबर 2022 को कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल के भाई के शीशपाल अग्रवाल के घर डकैती का मुकदमा डोईवाला थाने में दर्ज किया गया। दिन दहाड़े घर में घुसे बदमाश हथियारों के दम पर परिवार के लोगों को बंधक बनाकर लाखों रुपये नगदी और गहने लूट ले गए थे। डकैती में महबूब, मुनव्वर, शमीम, तहसीम कुरैशी, रियाज, नावेद, मेहरबान उर्फ बावला और वसीम उर्फ काला पूर्व में गिरफ्तार किए जा चुके हैं। नफीस उर्फ सपाटा ने सरेंडर कर दिया था। जबकि, मुख्य आरोपी परवेज उर्फ बाबा निवासी मोबिननगर समर गार्डन फतेउल्लापुर थाना लिसाड़ीगेट मेरठ यूपी को गिरफ्तार करना पुलिस के लिए चुनौती बना हुआ था। बचने के लिए कभी बाहरी राज्यों में जाकर सरेंडर किया तो कभी अलग-अलग राज्यों में जाकर मजदूरी की।

हिस्ट्रीशीट मिली तो पता लगा कि वह 1997 से लूट, डकैती आदि अपराधों में शामिल रहा है। कुछ समय पहले पता लगा कि परवेज उर्फ बाबा जयपुर में कहीं रह रहा है। टीम ने इनपुट पर जयपुर इसके बाद मुंबई, चेन्नई, दिल्ली में दबिश दी। हाल में पता लगा कि वह दिल्ली में सिग्नेचर ब्रिज के नीचे खजूरी खास में परिवार के साथ नाम और पहचान बदलकर रह रहा है। वहां पुलिस ने जानकारी जुटाई तो आरोपी के परिवार के रहने का पता लगा। उसके होने का पता नहीं लगा।

बीते दिनों पता लगा कि परवेज उर्फ बाबा का पिता आलमगीर बहुत बीमार है। वह उससे मिलने कभी भी मेरठ स्थित घर आ सकता है। वहां पुलिस ने जाल बिछाया। शनिवार रात जैसी ही आरोपी पहुंचा तो उसे धर लिया गया।

संक्षिप्त समाचार

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा पर बेर का प्रसाद बांटने की अपील

देहरादून। दून गवेल धार्मिक संगठन अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया गया। संगठन की चुक्खुवाला में हुई बैठक में अध्यक्ष संजीव सिंह बिष्ट ने कहां कि हम सभी नागरिकों की जिम्मेदारी है कि हम राष्ट्र व समाज के प्रति जिम्मेदारी को निभाते हुए सनातन धर्म के प्रति भी जिम्मेदारी निभाए। राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा एक ऐतिहासिक अवसर है। 22 जनवरी को यह सपना आखिर सच हो रहा है। पूरे देशवासी 22 जनवरी को दीपावली के रूप में मनाएंगे। उन्होंने सभी से भगवान श्री राम के नाम पर एक पौधा लगाकर जगह-जगह बैर का प्रसाद वितरण करने की विनती की है। मौके पर सतीश कपूर, हरीश नारंग, लक्ष्मी पाल, सौरव डोभाल, सतेंद्र भंडारी, कुलदीप सिंह ललकार, राहुल सोनकर, अमित वर्मा, कृष्ण गोपाल रोहिल्ला, सचिन सोंधी, राकेश शर्मा, राकेश भट्ट, कैलाश सेमवाल, विजेंद्र सेमवाल, जगदीश पोखरियाल, चन्दर मोहन अरोड़ा आदि उपस्थित थे।

राज्य आंदोलनकारी दीपक बड़थ्वाल के निधन पर जताया शोक

देहरादून। उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी मंच ने युवा राज्य आंदोलनकारी दीपक बड़थ्वाल(48) के अकस्मात निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुये श्रद्धा सुमन अर्पित किये। वह अपने पीछे पत्नी व दो बच्चे छोड़ गये। उनके बड़े भाई पूर्व पार्षद गणेश बड़थ्वाल व विपिन बड़थ्वाल के साथ ही दोनों बहनों ने भी पूरी शिद्धत के साथ कई अस्पतालों में इलाज कराया। उनकी पत्नी को पूरी आस थी कि पति जल्द ठीक होकर परिवार में वापस आयेंगे। परन्तु ऐसा नहीं हुआ। दीपक बड़थ्वाल उत्तराखंड आंदोलन के साथ एसएफआई संगठन से जुड़े थे। वह पूर्व मुख्यमन्त्री जनरल खंडूड़ी के एपीएस थे। कई समाचार पत्र, टीवी चैनल व एजेंसी में भी कार्यरत रहे। राज्य आंदोलनकारी कोटे से वह 2012 में सहकारिता विभाग में नौकरी पर लगे थे। वर्तमान में वह पौड़ी जिले के पाबो में तैनात थे। राज्य आंदोलनकारी मंच के प्रदेश प्रवक्ता प्रदीप कुकरेती ने बताया कि दीपक का कई निजी अस्पतालों में इलाज चला। तीन माह पूर्व ही उन्होंने ट्रांजिट हॉस्टल में सचिवालय कार्यकारिणी व शिक्षक संघ के अध्यक्ष व महासचिव का स्वागत समारोह में हिस्सा लिया था। उनका अन्तिम संस्कार हरिद्वार में किया गया। जहां उनके पुत्र व छोटे भाई विपिन बड़थ्वाल ने मुखाग्नि दी।

पूर्व पार्षद अनिरुद्ध भाटी ने दिलायी पंचपुरी ऑटो रिक्शा विक्रम एसोसिएशन के पदाधिकारियों को शपथ

हरिद्वार। पंचपुरी ऑटो रिक्शा विक्रम एसोसिएशन ललतारौ पुल के नवनियुक्त पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। संरक्षक अनिरूद्ध भाटी ने नवनियुक्त पदाधिकारियों अध्यक्ष मांगेराम, कार्यवाहक अध्यक्ष देवेंद्र सौदाई, वरिष्ठ उपाध्यक्ष इसरार अंसारी, उपाध्यक्ष बाला कुरैशी, महामंत्री प्रमोद कुमार, संगठन मंत्री धर्मवीर, प्रवक्ता कुलदीप पाल, सलाहकार नवाब अली, कोषाध्यक्ष वसीम, व्यवस्थापक मंगल सौदाई को शपथ दिलायी। संरक्षक पूर्व पार्षद अनिरूद्ध भाटी ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पंचपुरी ऑटो रिक्शा विक्रम एसोसिएशन चालकों के हितों में कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि देश विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को धर्मनगरी के दर्शन कराने में ऑटो विक्रम चालक निर्णायक भूमिका निभाते हैं। उन्होंने चालकों एवं मालिकों से अपील करते हुए कहा कि यात्रीयों के साथ मधुर व्यवहार करें। यातायात नियमों का पालन करें। नशे से दूर रहें। किसी भी रूप में यात्रीयों के साथ अभद्र व्यवहार नहीं होना चाहिए। देश विदेश से आने वाले यात्री श्रद्धालुओं को यात्रा की अच्छी सुविधाएं मिलेंगी तो धर्मनगरी का मान बढ़ेगा। सपा नेता राजेंद्र पाराशर, लव दत्ता ने भी नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी। एसोसिएशन के अध्यक्ष मांगेराम ने कहा कि संगठन की और से जो जिम्मेदारी उन्हें दी गयी है। उसका निष्ठा पूर्वक पालन करते हुए चालक, मालिक व यात्रीयों के हितों में काम करेंगे। उन्होंने कहा कि सभी नशे से दूर रहकर जिम्मेदारी पूर्वक अपने कर्तव्य का पालन करें। इस अवसर पर टीआई अरविंद राणा, अरविंद, कुलदीप, महबूब, विजय अग्रवाल, नरेंद्र, राजेंद्र, कमलजीत, राजकुमार, प्रिंस, कुलदीप सैनी आदि मौजूद रहे।

मार्निंग वॉक कर रही छात्रा को तेज रफ्तार टैक्सी ने कुचला

देहरादून। जीएमएस रोड पर मार्निंग वॉक कर रही 10वीं कक्षा की छात्रा को बेकाबू टैक्सी ने कुचल दिया। हादसे के छात्रा को उपचार के लिए 108 सेवा से एंबुलेंस बुलाकर अस्पताल भिजवाया गया। वहां डाक्टरों ने छात्रा को मृत घोषित कर दिया। छात्रा के पिता सुभाषनगर स्थित निजी संस्थान में प्रोफेसर हैं। एसएसआई वसंत विहार कमल सिंह रावत ने बताया कि रविवार सुबह वाडिया संस्थान के पास एक लड़की की इनोवा कार से टक्कर लगने पर गंभीर घायल होने की सूचना मिली। थाने से मौके पर पहुंची पुलिस ने लड़की को उपचार के लिए एंबुलेंस से कोरोनेशन अस्पताल भिजवाया। वहां डाक्टरों ने लड़की को मृत घोषित कर दिया। लड़की की शिनाख्त मंदिसा त्यागी पुत्र विकास त्यागी निवासी निकट वाडिया इंस्टीट्यूट जीएमएस रोड के रूप में हुई। छात्रा एनमेरी स्कूल में 10वीं कक्षा में पढाई कर रही थी। हादसे के वक्त वह घर से मार्निंग वॉक पर निकली थी। पुलिस के मुताबिक हादसे के वक्त छात्रा सड़क क्रास कर रही थी। इस दौरान बल्लूपुर चौक की तरफ से एक ट्रेवल एजेंसी की इनोवा टैक्सी एयरपोर्ट की तरफ जा रही थी।

शांति और शक्ति के स्वरूप हैं श्रीराम: प्रेमचंद

ऋषिकेश। शहरी विकास मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने कहा कि 500 सालों के संघर्ष के बाद रामलला का मंदिर बन रहा है। ऐसे में प्रत्येक देशवासी को अयोध्या में श्रीराम प्रतिमा के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में पहुंचना चाहिए। रविवार को श्यामपुर के जगत विहार में मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने भाजपाइयों के साथ अक्षत कलश यात्रा निकाली। लोगों को अयोध्या से लाए गए पूजित अक्षत वितरित किए और उन्हें अयोध्या में रामलला के दर्शन के लिए आमंत्रित किया। अयोध्या में बन रहे श्रीराम मंदिर में 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा होनी है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम के जीवन की एक-एक घटना और उनका प्रत्येक निर्णय हमें एक आदर्श व्यक्ति बनाने के लिए काफी है। श्रीराम शांति और शक्ति दोनों के स्वरूप हैं। मौके पर मंडल अध्यक्ष दिनेश पंवार, महामंत्री चंद्रवीर पोखरियाल, मंडल अध्यक्ष महिला मोर्चा सोनी रावत, सतपाल राणा, मंजू ममगाई, संगीता रावत, अनिता रावत, रोशनी बिजल्वाण, रश्मि पांडेय, बबली देवी, बिंद्रा देवी, संतोषी बहुगुणा, बीमा पैन्यूली, अनिता नेगी, मीना बिष्ट, रागिनी जैन आदि उपस्थित रहे।

जय श्रीराम के नारे लगाकर अक्षत वितरित किए

डोईवाला। दूधली क्षेत्र में भाजपाइयों ने अक्षत कलश यात्रा निकाली और राम भक्तों को पूजित अक्षत और भगवान राम का चित्र वितरित कर उन्हें प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया। इस दौरान जय श्रीराम के नारे लगाए गए। साथ ही 22 जनवरी को घर-घर दीपक जलाने और भजन कीर्तन करने का अनुरोध किया गया।

मौके पर ललित पंत नेहा, आरती पांडेय, उमा थापा, किरण क्षेत्री, हिमानी जोशी, ज्योति पांडेय, मानसी, अक्षत पांडेय आदि उपस्थित रहे।

पूजित अक्षत वितरण पर निकाली दिव्य शोभा यात्रा, राममय हुआ माहौल

विकासनगर। पछुवादून के सिंहनीवाला में रविवार को महिलाएं दही, दूब, गोरोचन, फल, फूल और मंगल के मूल नवीन तुलसीदल आदि वस्तुएं थालों में भर-भरकर मंगल गीत गाते हुए चल रही थी। सिंहनीवाला के साथ ही पूरा शिमला बाइपास क्षेत्र दुल्हन की तरह सजाया गया था। मौका था पूजित अक्षत वितरण के लिए निकाली गई शोभायात्रा का। शोभायात्रा में प्रभु श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण और हनुमान के साथ दिव्य रथ पर सवार थे, रथ के पीछे उमड़ी भीड़ को देखकर ऐसा अहसास हो रहा था मानो अयोध्या के बाशिंदे अपने राजा राम के दर्शनों के लिए उमड़ पड़े हों। सड़क पर चल रहे वृद्ध श्रीराम की एक झलक पाने को व्याकुल दिखाई दिए, जो जिस दशा में था, वो उसी दशा में बाहर दौड़ा चला आया। ऐसा माहौल बना हुआ था मानों लोगों से अब और अधिक विलंब सहा न जा रहा हो। श्रीराम के रथ के पीछे धर्म-अधर्म के युद्ध में उनके साथी रहे नील, जामवंत, सुग्रीव का रथ चल रहा था।

अक्षत शोभायात्रा से सिंहनीवाला समेत पूरा शिमला बाईपास क्षेत्र राममय हुआ। भाजपा कार्यकर्ता, विहिप, बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने सहसपुर विधायक सहदेव पुंडीर की अगुवाई में भव्यता और सभ्यता के साथ शोभायात्रा निकाल कर पूजित अक्षत घर-घर पहुंचाया। सिंहनीवाला के मंदिर परिसर से निकली शोभायात्रा में प्रभु श्रीराम दरबार के पीछे भक्त राम भजनों पर झूमते हुए चल रहे थे। भव्य शोभायात्रा का लोगों ने जगह-जगह पुष्प वर्षा कर और भगवान के स्वरूपों की आरती उतार कर स्वागत किया। प्रभु श्रीराम दरबार की भव्यता को देखकर हर कोई अपना शीश नवा रहा था।

काश्तकारों ने अधिकारियों को बताई समस्याएं

कोटद्वारः विकसित भारत संकल्प यात्रा योजना के अंतर्गत विकसित भारत रथ के वार्ड नंबर 37 पश्चिम झंडी चौड़ के श्री विश्वकर्मा सामुदायिक भवन में पहुंचने पर स्थानीय लोगों ने रथ का स्वागत किया। इस दौरान काश्तकारों ने अधिकारियों को अपनी समस्याओं से अवगत करवाया। तत्पश्चात आयोजित बैठक में सभी विभागीय अधिकारियों ने अपने-अपने विभागों द्वारा चलाए जा रही योजनाओं पर जानकारी दी। मौके पर खाद्य विभाग व बिजली विभाग के बारे में ग्रामीणों की शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। उद्योग विभाग की ओर युवाओं को प्रधानमंत्री विश्वकर्मा स्वरोजगार योजना पर जानकारी दी गई। पीएम आवास अधिकारी शिव गोडियाल ने कहा कि जिन लोगों ने अपने आवासों का निर्माण कार्य पूरा कर लिया है उनके खाते में योजना की अंतिम किस्त शीघ्र भेज दी जाएगी। कहा कि नए आवासों के लिए कोटद्वार नगर निगम क्षेत्र के 1292 पीएम आवास के लाभार्थियों का डीपीआर बनाकर शासन को भेज दिया गया है। इस अवसर पर इंडेन गैस एजेंसी की ओर से 10 लाभार्थियों को उज्ज्वला गैस कनेक्शन भी वितरित किए गए। बैठक में सुखपाल शाह, लक्ष्मी देवी ,पूर्व प्रधान पुष्पा देवी शाह, हरि सिंह रावत ,राजेंद्र चौहान, नयन सिंह, गोविंद सिंह, मनोज पांथरी और अमित नेगी सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे।

डाडामंडी में लगा स्वास्थ्य शिविर, 60 लोगों ने उठाया लाभ

कोटद्वारः गेंद मेले से पूर्व डाडामंडी में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें स्वास्थ्य परीक्षण करवाने के लिए ग्रामीणों की भारी भीड़ उमड़ी हुई थी। इस दौरान 60 लोगों के स्वास्थ्य का परीक्षण किया गया। समाज सेवी सतीश काला की ओर से डाडामंडी में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन करवाया गया। जिसमें सुबह से ग्रामीणों की भीड़ उमड़ी हुई थी। दोपहर तक चले स्वास्थ्य शिविर का 60 ग्रामीणों ने लाभ उठाया। शिविर में 42 लोगों की आंखों में मोतियाबिंद भी पाया गया। चिकित्सकों ने ग्रामीणों को उनके स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया। कहा कि ग्रामीणों को अपने खान-पान पर विशेष ध्यान देना चाहिए। डाडामंडी गेंद मेला समिति के अध्यक्ष प्रमोद चौहान ने बताया कि सतीश काला की ओर से प्रतिवर्ष डाडामंडी में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाता है। इस स्वास्थ्य शिविर का ग्रामीणों को बेहतर लाभ मिलता है।

जल्द करवाया जाएं हैरिटेज भवन का निर्माण

पौड़ीः जन चेतना मंच ने सीएम घोषणा के तहत पुराने कलेक्ट्रेट भवन को हैरिटेज के रूप में बनाने, धारा रोड से अपर बाजार तक हैरिटेज बनाने व त्रिशुल पार्क का जल्द निर्माण करने की मांग उठाई है। उन्होंने डीएम को ज्ञापन देकर जल्द ही इन कार्यो को जल्द पूरा करने की मांग उठाई है। जन चेतना मंच के दलवीर सिंह नेगी ने डीएम को ज्ञापन देकर कहा कि सीएम घोषणा के तहत पुराने कलेक्ट्रेट में हैरिटेज भवन का निर्माण करवाया जाए। साथ ही धारा रोड से अपर बाजार की सड़क को भी हैरिटेज के रूप में विकसित किया जाए। उन्होंने प्राथमिकता के आधार पर शहर में तहसील के पास चयनित स्थल पर जल्द ही त्रिशुल पार्क का निर्माण करने की भी मांग उठाई है। कहा कि इन विकास कायी से शहर में पर्यटन की गतिविधियों के साथ ही रोजगार के अवसर मिलेंगे।

हंस अस्पताल की टीम ने शीला को हराया

पौड़ीः नयाघाटी क्रिकेट टूर्नामेंट की ओर से कराए जा रहे क्रिकेट मैच में हंस अस्पताल की टीम-ए ने शीला को 23 रनों से हरा कर प्री क्वाटर में जगह बनाई। शनिवार को मां गोरजा क्रिकेट खेल मैदान में खेले गए मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए हंस अस्पताल की टीम ए ने 12 ओवरों में 99 रन बनाए। जवाब में शीला की टीम 76 रन ही बना सकी। हंस अस्पताल टीम ए के डा. बिपिन मंजेर ने 25 गेंदों पर सर्वाधिक 40 रन बनाए। वहीं टीम के विनोद और दिगपाल ने दो-दो विकेट लेकर जीत में अहम भूमिका निभाई।

सौदर्यीकरण पर लाखों किए खर्च, बदहाल पड़ा सिद्धबली पार्क

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः सिद्धबली मार्ग के समीप स्थित पार्क के सौदर्यीकरण के लिए लाखों रुपये खर्च किए गए थे। लेकिन, आमजन की लापरवाही व सरकारी सिस्टम की अनदेखी से यह पार्क दोबारा बदहाल हो चुका है।

बच्चों के खेलने के लिए लगाए गए झूले पूरी तरह टूट चुके हैं। यही नहीं पार्क में लगाए गए गमले व कूड़ेदान भी शरारती तत्वों ने गायब कर दिए हैं।

वर्ष 2021 में कालागढ़ टाइगर रिजर्व वन प्रभाग के बजट से सिद्धबली पार्क का जीर्णोद्वार करवाया गया था। इसके लिए बकायदा पार्क में नए झूले व गमलों में तरह-तरह के फूल लगाए गए थे। लेकिन, तीन वर्ष बाद ही पार्क अपनी पुरानी स्थिति में पहुंच चका है। पार्क के सौंदर्यीकरण के लिए लगाई गई टाइल्स भी जगह-जगह टूट चुकी हैं। परिसर में लगाए गए मनमोहक फूल व घास को असामाजिक तत्वों ने बर्बाद कर दिए है। स्थानीय निवासी मोहन सिंह, रंजीत कुमार ने बताया कि कई बार बच्चों के झूलों में बड़े व्यक्ति भी झूलने लगते थे। जिससे वह टूट चुके हैं। शाम ढ़लते ही पार्क में असामाजिक तत्वों का भी जमावड़ा लगने लगता है।

कोटद्वार के सिद्धबली मार्ग के समीप स्थित पार्क के टूटे झूले

- सिद्धबली मंदिर के समीप बदहाल पड़ा है वन विभाग का पार्क
- वर्ष 2021 में लाखों की लागत से किया गया था सौंदर्यीकरण

मंदिर की शोभा बढ़ाता था पार्क

सिद्धबली मंदिर के समीप स्थित यह पार्क मंदिर की भी शोभा बढ़ाता था। लेकिन, अब यह पार्क पूरी तरह बदहाल हो चुका है। यही कारण है कि बच्चों व बुजुर्गों ने पार्क में आना भी छोड़ दिया था। क्षेत्रवासी पूर्व में कई बार पार्क के दोबारा सौदर्यीकरण की मांग उठा चुके हैं। लेकिन, अब तक सरकारी सिस्टम ने इसकी सुध नहीं ली।

यूके इलेवन ने जीता गढ़वाल फुटबॉल कप का फाइनल

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः स्व.शशिधर भट्ट स्मृति खेल संस्थान की ओर से आयोजित फुटबॉल टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला यूके इलेवन व थर्ड गढ़वाल के बीच खेला गया। जिसमें यूके इलेवन ने 03-01 से फाइनल मुकाबला अपने नाम किया। इस दौरान फुटबॉल का फाइनल देखने के लिए दर्शकों की भारी भीड़ उमड़ी हुई थी।

राजकीय स्टेडियम कोटद्वार में आयोजित फाइनल मुकाबले का शुभारंभ लैंसडौन विधायक दिलीप रावत ने किया। उन्होंने युवाओं को सामाजिक बुराईयों से दूर रहकर खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने की सीख दी। कहा कि आज कई खिलाई बड़े मंचों पर अपनी प्रतिभा दिखाकर देश व प्रदेश का नाम रोशन कर रहे हैं।

फाइनल मुकाबले यूके इलेवन व थर्ड गढ़वाल के बीच खेला गया। यूके इलेवन टीम में शामिल खिलाड़ी शेलेंद्र नेगी ने दो व मानव ने एक गोल दागकर अपनी टीम को 03-0 की बढ़त दिलवाई। खेल के आखिरी समय में थर्ड इलेवन की ओर से राहुल ने पेनल्टी गोल दागकर स्कोर 03-01 किया। फुटबाल का फाइनल मुकाबला देखने के लिए दर्शकों की भारी भीड़ उमड़ी हुई थी। इस मौके पर मंडी समिति के अध्यक्ष सुमन कोटनाला, कोतवाली प्रभारी निरीक्षक मणिभूषण श्रीवास्तव, अरूण भट्ट, सुनील रावत, अतुल भट्ट, हरीश वर्मा आदि मौजूद रहे।

फाइनल विजेता टीम को ट्रॉफी देते विधायक व आयोजन समिति के सदस्य

बालासौड़ की टीम ने जीता क्रिकेट मैच

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः ऑल राउंडर क्लब की ओर से जीआईसी दुगड्डा के खेल मैदान में क्रांतिकारी स्व. भवानी सिंह रावत स्मृति क्रिकेट टूर्नामेंट शुरू हो गया है। गुमखाल को हराकर बालासौड़ की टीम ने उद्घाटन मैच जीता।

टूर्नामेंट का उद्घाटन मुख्य अतिथि निवर्तमान पालिकाध्यक्ष भावना चौहान ने किया। उन्होंने कहा कि क्रांतिकारी भवानी सिंह रावत ने देश की आजादी के लिए जो त्याग किया है वह चिर स्मरणीय रहेगा। उद्घाटन मैच गुमखाल व कुकसाल हार्डवेयर बालासौड़ की टीमों के बीच हुआ। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी गुमखाल की टीम महज 9 ओवर में 59 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। लक्ष्य का पीछा करने उतरी बालासौड़ की टीम ने पांच ओवर में दो विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर जीत दर्ज की। मैन ऑफ द मैच बालासौड़ टीम के राजा चुने गए। उन्होंने 4 विकेट लिए। क्लब की ओर से उन्हें सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पूर्व सभासद आशा देवी, टूर्नामेंट के संयोजक मोहित दुदपुड़ी, अध्यक्ष अमन, उपाध्यक्ष मुकेश, विजय, सचिव सूरज, लक्की आदि मौजूद रहे।

ईमानदारी का परिचय: सड़क पर मिला मोबाइल लौटाया

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः पाटीसैंण में कार्यरत पुलिस कर्मियों ने ईमानदारी का परिचय देते हुते सड़क पर पड़े मोबाइल को उसके मालिक के सुपुर्द किया है। चौकी पाटीसैंण प्रभारी उपनिरीक्षक मुकेश गैरोला व आरक्षी पंकज रावत को वाहन चैकिंग के दौरान सड़क पर एक सैमसंग मोबाइल फोन पड़ा हुआ मिला। पुलिस कर्मियों द्वारा कार्यवाही कर मोबाइल मालिक से सम्पर्क होने पर मोबाइल उरेगी पट्टी पैडुलस्यूं निवासी जयलाल सिंह नेगी को सुपुर्द कर दिया गया। जयलाल ने पुलिस की प्रशंसा करते हुए आभार जताया है।

तीन दिन से नहीं हुए सूरज के दर्शन, कोहरे व शीतलहर ने बढ़ाई परेशानी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः गढ़वाल के प्रवेश द्वार कोटद्वार में लगातार ठंड का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। पिछले तीन दिन से सूरज के दर्शन तक नहीं हुए। यही स्थिति रविवार को भी बनी हुई थी। लोगों ने ठंड से बचाव के लिए अलाव का सहारा लिया। न्यूनतम तापमान नौ डिग्री सेंटीग्रेड दर्ज किया गया।

ठंड का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। रविवार सुबह जैसे ही लोग घरों से बाहर निकले, घने कोहरे ने उनकी कपंकंपी छुड़ा दी। पूरे दिन लोग धूप का इंतजार करते रहे। लेकिन, सूरज के कोई दर्शन नहीं हुए। कोहरे के साथ चल रही शीतलहर ने लोगों की मुश्किलें बढ़ाई।

कोहरे के कारण वाहनों से आवाजाही करने वाले लोगों को भी परेशानियों का सामना करना पड़ा। शहर की सड़कों पर अधिकांश वाहन हेडलाइट जला कर चल रहे थे। ठंड के कारण जनजीवन भी काफी अस्त-व्यस्त रहा। कई अधिकांश लोगों ने अपने प्रतिष्ठानों के बाहर अलाव जलाए हुए थे। वहीं, नगर निगम की ओर से भी शहर के मुख्य चौराहों पर अलाव की व्यवस्था की गई थी।

कोटद्वार के झंडाचौक में अलाव का सहारा लेकर ठंड से निजात पाते श्रमिक

स्वच्छ व स्वस्थ समाज के लिए एकजुट होने की अपील

कोटद्वारः स्वच्छ हिमालय अभियान के तहत रविवार को कंडोलिया मार्ग से टेका मार्ग पर सफाई अभियान चलाया गया। इस दौरान स्वच्छ हिमालय अभियान के वालंटियरों व अन्य संगठनों ने जगह-जगह फैले कूड़े को एकत्र किया। इस अभियान की शुरुआत साल 2016 में ग्राम चंदोला राई से हुई। अभियान के तहत कूड़े की समस्या को दूर करने के लिए पांच गांवों के सभी ग्रामीणों को कूड़ेदान और कूड़ा बैग वितरित किए गए, जिससे लोग अपने घर के कूड़े को अलग-अलग कर सकें। इस दौरान ग्रामीणों के बीच बहुत सारे जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। अभियान के संस्थापक हर्ष चंदोला ने बताया कि शहर में कूड़ा निस्तारण की सही व्यवस्था नहीं होने के चलते शहरवासी कूड़ा निस्तारण की समस्या से परेशान है। जिसको लेकर लोगों को जागरूक करने के साथ ही हर रविवार को सफाई अभियान चलाया जाता है। प्रयास है कि इसमें अधिक से अधिक युवाओं को जोड़ा जाए।कहा कि वालंटियरों की मदद से सफाई के प्रयास को जारी रखने और अपने हिमालयी क्षेत्र को साफ करने के लिए सरकार के साथ काम करने की योजना बना रहे हैं। रविवार को टेका रोड पर वालंटियरों व आह्वान संस्था की अध्यक्ष प्रियंका थपलियाल ने भी सफाई अभियान में हिस्सा लिया। उन्होंने अभियान की सराहना करते हुए कहा कि हर रविवार को सफाई अभियान चलाकर शहरवासियों को जागरूक करने का काम किया जाएगा। इस मौके पर रोमा भ्रदा, ललित, अनूप, अजय, पियूष चंदोला, सिद्धांत, राहुल, प्रमोद, आकाश नेगी आदि शामिल रहे।

प्राथमिक शिक्षक संघ ने उठाई रकम वापस दिलवाने की मांग

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ीः कल्जीखाल ब्लाक के उप शिक्षाधिकारी कार्यालय के निलंबित प्रशासनिक अधिकारी चंद्र प्रकाश के खिलाफ राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ ने मोर्चा खोल दिया है। संघ ने आरोपी प्रशासनिक अधिकारी पर एक शिक्षका के करीब 7 लाख 72 हजार के चिकित्सा प्रतिपूर्ति बिलों के एवज में कुछ राशि लेने का आरोप लगाया है। संघ ने इस राशि को तत्काल वापस करने की मांग उठाई है। राशि वापस नहीं दिए जाने पर संघ ने इस मामले की शिकायत विजिलेंस से करने की चेतावनी दी है।

प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष मनोज जुगरान ने बताया कि शिक्षिका ने सारे घटनाक्रम की शिकायत प्राथमिक शिक्षक संघ की ब्लाक इकाई व उप शिक्षाधिकारी से की। जिसके बाद विभाग ने मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति गठित की। संघ ने अब आरोपित प्रशासनिक अधिकारी को मेडिकल बिलों के नाम पर ली गई राशि तत्काल वापस करने की मांग उठाई है। इससे पूर्व इस मामले में अपर निदेशक बेसिक एसपी खाली ने इस प्रशासनिक अधिकारी को घूस लेने के आरोप में सस्पेंड कर दिया था।

राष्ट्रीय हैडबाल प्रतियोगिता में हुआ जीतेंद्र का चयन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः जनता इंटर कॉलेज देवराजखाल के के छात्र जीतेंद्र का राष्ट्रीय हैडबॉल प्रतियोगिता में चयन हुआ है। जितेंद्र विद्यालय में कक्षा 11 वीं का छात्र है। छात्र की सफलता पर शिक्षकों व अभिभावकों ने खुशी व्यक्त की है।

प्रतियोगिता जनवरी माह में मध्य प्रदेश के सुजालपुर में होनी है। जीतेंद्र के पिता चयन सिंह रावत भी पूर्व बॉलीवाल खिलाड़ी रह चुके है। प्रधानाचार्य अनुराग कांत शाह ने बताया कि जीतेंद्र की इस सफलता से विद्यालय का नाम रोशन हुआ है।

छात्र जीतेंद्र सिंह

उन्होंने विद्यालय के अन्य विद्यार्थियों को भी पढ़ाई के साथ खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने की सीख दी। इस मौके पर शक्षिक लक्ष्मण सिंह, राकेश मोहन डंडरियाल, निशा दिवाकर, हिमानी, नीमा रावत, व्यायाम शिक्षक धमेंद्र सिंह शाह आदि मौजूद रहे।

अतिक्रमण पर सख्ती, दो दिन में दें रिपोर्ट

पौड़ीः सीएम के जिले के प्रस्तावित भ्रमण व परिसंपत्ति को लेकर आयोजित बैठक में डीएम ने अफसरों को सभी तैयारियां जल्द पूरी करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को दो दिन के भीतर अतिक्रमण की रिपोर्ट भी देने के निर्देश दिए।

डीएम डा. आशीष चौहान ने सीएम पुष्कर सिंह धामी के जिले के प्रस्तावित भ्रमण को लेकर अफसरो की बैठक ली। बैठक में डीएम ने सभी तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए। भूमि, परिसंपत्तियों के अतिक्रमण को तत्काल रोकने व हटाने को लेकर उन्होंने अफसरो से जानकारी ली। उन्होंने कम प्रगति वाले विभागों के अफसरो को चेतावनी देते हुए कहा कि 2 दिन के भीतर अपने-अपने विभागीय भूमि पर हुए अतिक्रमण की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करे। बताया गया कि विभिन्न विभागों की अभी तक 6704 परिसंपत्ति डाटा पोर्टल पर अपलोड कर लिया गया है।बैठक में डीएफओ गढ़वाल स्वप्निल अनिरुद्ध, जिला विकास अधिकारी मनविन्दर कौर, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी राम सलोने, मुख्य कृषि अधिकारी अश्विन गौतम, जिला पर्यटन अधिकारी प्रकाश खत्री, जिला उद्यान अधिकारी राजेश तिवारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी विनोद उनियाल आदि शामिल रहे।

बीएसएनएल इंप्लाइज यूनियन अल्मोड़ा जिला कार्यकारिणी के रवि बने अध्यक्ष, कैलाश चुने गए सचिव

अल्मोड़ा(सं)। बीएसएनएल कार्यालय में रविवार को आयोजित बैठक में बीएसएनएल इंप्लाइज यूनियन की नई जिला कार्यकारिणी घोषित की गई। जिसमें रवि कुमार सिरोला को अध्यक्ष और कैलाश अधिकारी को सचिव, भूपेन्द्र पंचोली को कोषाध्यक्ष चुना गया। नई कार्यकारिणी पदाधिकारियों ने कहा कि वे कर्मचारियों के हितों में हर संभव संघर्ष करेंगे। अधिवेशन में देहरादून, अल्मोड़ा सहित तमाम स्थानों से पदाधिकारी पहुंचे थे। चुनाव कार्यकारिणी टीम में देवेन्द्र बिष्ट, पूरन बिष्ट, जेपी कोठारी, डीएस उन्याल शामिल रहे। यहां बीएसएनएल महाप्रबंधक एम एस निरुक्पा, उपमहाप्रबंधक एन के सागर, भगवती नेगी, मोहन सिंह गोसाई, चन्द्रशेखर लोहनी, हरीश तिवारी आदि मौजूद रहे।

केंद्र सरकार की योजनाओं की जानकारी दी

पिथौरागढ़(सं)। नगर में पालिका ने विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत शिविर लगाया। रविवार को नगर के जिला अस्पताल के समीप आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि दर्जा राज्य मंत्री गणेश भंडारी और विशिष्ट अतिथि निवर्तमान अध्यक्ष राजेंद्र सिंह रावत ने किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में देश विकास के पथ पर अग्रसर है। कहा कि महिलाओं से लेकर युवाओं, किसानों आदि के लिए सरकार ने कई योजनाएं संचालित की हैं। उन्होंने वंचित लाभार्थियों को सरकारी योजनाओं से लाभान्वित भी किया गया।

इधर केएमओयू स्टेशन के समीप

13 जनवरी को निकाली जाएगी तिरंगा यात्रा

अल्मोड़ा(सं)। उत्तराखंड स्वतंत्रता सेनानी एवं उत्तराधिकारी संगठन की एक बैठक गांधी पार्क अल्मोड़ा में आयोजित की गई। बैठक में आगामी उत्तरायणी पर्व पर बागेश्वर में होने वाले कुली बेगार कार्यक्रम पर चर्चा की गई और कार्यक्रम की रूपरेखा तय की गई।

बैठक में तय किया गया कि 13 जनवरी शनिवार को अल्मोड़ा गांधी पार्क से प्रातः 10:00 बजे पद यात्रा के रूप में तिरंगा यात्रा लक्ष्मेश्वर बाईपास तक निकाली जाएगी इस यात्रा में सभी राजनीतिक संगठनों, सामाजिक संगठनों और आम जनमानस को जोड़ा जाएगा। लक्ष्मेश्वर बाईपास से यात्रा चामी गांव बागेश्वर को प्रस्थान करेगी। अगले दिन उत्तरायणी पर्व पर 14 जनवरी को पदयात्रा चामी गांव से बागेश्वर को प्रस्थान करेगी और बागेश्वर से भी आम जनमानस राजनीतिक और सामाजिक संगठन को साथ लेते हुए नुमाइश खेत तक जाएगी जहां पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानी उत्तराधिकारियों द्वारा नाटक कुली बेगार प्रस्तुत किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि वर्ष 1921 में स्व बद्रीनाथ पांडे ने अपने हजारों साथियों के साथ कुली बेगार के कागजात सरयू बगड़ में बहा दिए थे और सबको शपथ दिलवाई थी कि अब हम लोगों को कुली बेगार नहीं देना है और कुली बेगार का इस प्रकार सरयू नदी पर समापन किया था। रविवार को आयोजित बैठक में जिला अध्यक्ष कमलेश पांडे, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पुष्कर प्रसाद पांडे, यशवंत सिंह परिहार, नंदन सिंह कार्की, शिव शंकर बोरा, आशुतोष पंत, शिवेन्द्र गोस्वामी, बद्री दत्त पांडे, किशन चंद जोशी, राधा तिवारी और कमला कार्की आदि उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय सेवा योजना के दल को परिसर निदेशक ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

अल्मोड़ा(सं)। सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय का राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत सात दिवसीय विशेष शिविर ग्राम धौनी, पनुवानौला में आयोजित किया जाएगा। 07 जनवरी से 13 जनवरी तक चलने वाले इस शिविर में 100 स्वयंसेवी प्रतिभाग कर रहे हैं। परिसर के निदेशक प्रो प्रवीण सिंह बिष्ट ने प्रातः दल को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। प्रो बिष्ट ने कहा कि सभी स्वयंसेवी वे समाज को बेहतर दिशा में ले जाने के लिए जिम्मेदारी लें। कार्यक्रम अधिकारी डॉक्टर डी एस धामी ने कहा राष्ट्रीय सेवा योजना का देश के उन्नयन में बहुत बड़ा योगदान है। विश्वविद्यालय की स्थापना के बाद एनएसएस का दूसरा शिविर ग्राम धौनी में लगेगा। उन्होंने कहा कि स्वयंसेवी इस दौरान जनजागरण, स्वच्छ्ता अभियान, नुक्कड़ नाटक कर समाज को जागरूक करेंगे। शिविर के लिए कुलपति प्रो सतपाल सिंह बिष्ट ने स्वयंसेवियों को सामाजिक उत्तरदायित्व निभाने के लिए शुभकामनाएं दी हैं। शिविर में कार्यक्रम अधिकारी डॉक्टर डी एस धामी के साथ इंजीनियर रवींद्रनाथ पाठक और डॉ प्रेमा खाती कार्यक्रम सहायक और शिविर सहयोगी के रूप में नंदन सिंह जड़ौत, जितेंद्र कुमार भी मौजूद रहेंगे। राष्ट्रीय सेवा योजना के शिविर को सोबन सिंह जीना परिसर से रवाना करने के दौरान वरिष्ठ प्राध्यापक प्रो इला साह, डॉ देवेंद्र सिंह बिष्ट, राहुल, नवल जोशी, योगेश कुमार, नवीन, सुरेन्द्र दानु, गीता तिवारी, अंकित बिष्ट, मोहित सहित दर्जनों स्वयंसेवी मौजूद रहे।

उत्तरायणी कौतिक मेले का उद्घाटन करेंगे सीएम

चम्पावत(सं)। टनकपुर में 15 व 16 जनवरी को उहरेला क्लब उत्तरायणी कौतिक मेले का आयोजन करेगा। सीएम धामी मेले का शुभारंभ करेंगे। मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम मचेगी। आयोजन समिति ने मेले की तैयारी पर चर्चा की। टनकपुर में रविवार को हरेला क्लब के अध्यक्ष डीडी भट्ट के नेतृत्व में बैठक हुई। अध्यक्ष ने बताया कि टनकपुर के गांधी मैदान में हर साल की तरह इस बार भी 15 व 16 जनवरी को उत्तरायणी कौतिक मेला होगा। उन्होंने बताया कि नेत्र चिकित्सा शिविर संचालन के लिए हर साल मेले का आयोजन किया जाता है। उन्होंने बताया कि मुख्य अतिथि सीएम पुष्कर सिंह धामी मेले का शुभारंभ करेंगे। 15 जनवरी की सुबह शारदा घाट से स्कूली बच्चों की झांकी निकाली जाएगी। छोलिया नृत्य के साथ ही महिलाएं कलश यात्रा निकालेंगी। सब जूनियर व जूनियर वर्ग के स्कूली बच्चों की सांस्कृतिक और डांस प्रतियोगिताओं होगी। हरेला क्लब की महिला विंग ऐपण, रंगोली, मेहंदी आदि प्रतियोगिताएं करेगी। रात्रि में अल्मोड़ा सांस्कृतिक दल के कलाकार कार्यक्रम पेश करेंगे। मेले में पहाड़ी व्यंजनों के स्टॉल और झूले भी लगाए जाएंगे। बैठक में सचिव भुवन जोशी, राजेंद्र खर्कवाल, अजय गुरुरानी, शंकर दत्त गड़कोटी, धर्मेंद्र चंद, कैलाश गड़कोटी आदि मौजूद रहे।

पूर्णागिरि में भू–धंसाव मरम्मत कार्य शुरू हुआ

चम्पावत(सं)। मां पूर्णागिरि धाम में भू–धंसाव के ट्रीटमेंट का काम फिर से शुरू कर दिया है। थर्टी फर्स्ट और नव वर्ष के मेले में भीड़ को देखते हुए लोनिवि ने यहां निर्माण कार्य कुछ दिनों के लिए रोक दिया था। ट्रीटमेंट का कार्य 29.80 लाख रुपये की लागत से किया जा रहा है। पूर्णागिरि धाम में भैरव मंदिर और कटौजिया के पास हुए भू–धंसाव की मरम्मत का काम फिर से शुरू हो गया है।

भैरव मंदिर के पास कटौजिया क्षेत्र के पैदल मार्ग की दरार पिछले साल दिसंबर से लगातार चौड़ी हो रही है। कई जगह यह दरार एक से डेढ़ फीट तक चौड़ी हैं। भैरव मंदिर के पास नाले की मूल निकास प्रणाली में अवरोध को भू–धंसाव का बड़ा कारण बताया गया। जिसके बाद यहां मरम्मत का काम शुरू किया गया। डीएम नवनीत पांडेय के आदेश पर इन दरारों को दो माह के भीतर भरना है।

खंडर में तब्दील हो रहा अंथवाल गांव का पंचायत भवन

नई टिहरी। भिलंगना ब्लॉक ग्राम पंचायत अंथवाल गांव का पंचायत भवन जर्जर स्थिति में। भवन की जीर्ण–शीर्ण अवस्था के चलते ग्रामीण ग्राम पंचायत की बैठकें खुले में करने को मजबूर हैं। भवन की जर्जर हालत पर ग्रामीणों में पंचायतीराज विभाग के प्रति रोष बना हुआ है।

घनसाली के अंथवाल गांव के नए पंचायत भवन को बीते चाल सालों से स्वीकृति नहीं मिल पाई है। ग्राम प्रधान रेखा देवी ने बताया कि, वर्ष 2020 में उन्होंने मुख्य विकास अधिकारी को पंचायत भवन के लिए प्रस्ताव दिया था। जिस पर उन्हें एक माह के अंदर भवन की स्वीकृति का आश्वाशन दिया गया, लेकिन चार वर्ष बीत जाने के बाद भी स्वीकृति नही मिल पाई। जिसके बाद उन्होंने मुख्यमंत्री पोर्टल पर भी शिकायत दर्ज कराई लेकिन उस पर भी कोई कार्यवाही नही हो पाई।

ग्रामीण प्रेमदत्त अंथवाल का कहना है कि, सरकार पंचायतों को सशक्त बनाने का दावा करती है लेकिन हालात ये है कि गांव में वर्षों से पंचायत भवन खंडहर बना हुआ है। जिस कारण पंचायत की बैठकों के साथ ही मतदान के लिए कोई नियत स्थान उपलब्ध नहीं है। तथा ग्राम सभा की बैठकें बारिस व धूप में भी खुले में करनी पड़ती है। उन्होंने शीघ्र पंचायत भवन निर्माण न होने पर आंदोलन की चेतावनी दी।

देवभूमि उद्योग व्यापार मंडल का सदस्यता अभियान जारी

अल्मोड़ा(सं)। देवभूमि उद्योग व्यापार मंडल अल्मोड़ा के चुनाव की तैयारियों के तहत व्यापारियों को देवभूमि उद्योग व्यापार मंडल अल्मोड़ा की सदस्यता ग्रहण कराने को अभियान लगातार जारी है। देवभूमि व्यापार मंडल द्वारा व्यापारियों की सदस्यता शुल्क 50 रुपए रखने से भी व्यापारी काफी उत्साहित हैं। अभियान के पांचवें दिन 174 से अधिक व्यापारियों को सदस्यता दिलाई गई। रविवार के दिन सदस्यता अभियान की शुरुआत सदस्यता प्रमुख राजेंद्र तिवारी के नेतृत्व में शुरू की गई। माल रोड़, लिंक रोड से खोल्टा तक चले अभियान में 174 से अधिक व्यापारियों को देवभूमि उद्योग व्यापार मंडल की सदस्यता दिलाई गई। इस मौके पर पदाधिकारियों ने बताया कि उनकी पहली प्राथमिकता व्यापारियों के हित में कार्य करना है। उन्होंने कहा कि सदस्यता अभियान पूर्ण होने के बाद ही चुनाव प्रक्रिया शुरू की जाएगी। अभियान में मनोज सिंह पवार, संजय साह 'रिक्खू', हिमांशु कांडपाल, गणेश जोशी 'गुड्डू', आनंद भोज, सुमित गुप्ता, सुमित साह, अंकुर वोहरा, हिमांशु आदि व्यापारी मौजूद रहे।

प्रकाश इलेक्ट्रॉनिक्स ने वार्षिक लक्की ड्रा के विजेताओं को बांटे पुरस्कार

अल्मोड़ा(सं)। प्रकाश इलेक्ट्रॉनिक्स कचहरी बाजार अल्मोड़ा ने नववर्ष पर कार्यक्रम आयोजित कर वार्षिक लक्की ड्रा के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष रघुनाथ सिंह चौहान व अन्य अतिथियों ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए। लकी ड्रा के प्रथम पुरस्कार विजेता चौमू निवासी प्रकाश चंद्र आर्य को एलईडी, द्वितीय पुरस्कार विजेता चितई निवासी शिवानी रावत को रेफ्रिजरेटर, तृतीय पुरस्कार विजेता बाड़ेछीना निवासी हरीश बिष्ट को वाशिंग मशीन प्रदान की गई। इसके अलावा 101 उपभोक्ताओं को सांत्वना पुरस्कार भी प्रदान किए गए। प्रतिष्ठान के स्वामी प्रकाश रावत ने बताया कि प्रति वर्ष उपभोक्ताओं को इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों की खरीद पर लकी ड्रॉ कूपन दिए जाते हैं और विजेताओं को पुरस्कृत किया जाता है। उन्होंने सभी उपभोक्ताओं और अतिथियों का आभार जताया।

जिला व्यापार मंडल अल्मोड़ा से अभी तक जुड़े 1450 व्यापारी

अल्मोड़ा(सं)। जिला व्यापार मंडल अल्मोड़ा द्वारा शनिवार और रविवार को नगर इकाई के चुनाव को लेकर सदस्यता अभियान एक साथ चार से पांच क्षेत्रों में चलाया गया। शनिवार को मिलन चौक, दरबारी नगर, साई मंदिर, एनटीडी तथा रविवार को सरकार की आली और खोल्टा बाजार में 250 व्यापारियों को सदस्यता दिलाई गई। जिला व्यापार मंडल अल्मोड़ा द्वारा अभी तक 1450 व्यापारियों को सदस्यता अभियान में जोड़ा गया है।

नरेन्द्रनगर में ओपन महिला फुटबॉल प्रतियोगिता शुरू, मंत्री सुबोध उनियाल ने किया शुभारंभ

नई टिहरी। राइंका नरेन्द्रनगर के खेल मैदान में तीन दिवसीय राज्य द्वितीय स्तरीय ओपन महिला फुटबॉल प्रतियोगिता का कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल ने शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि टिहरी कप फुटबॉल प्रतियोगिता को भविष्य में और बेहत्तर करने का प्रयास किया जाऐगा। रविवार को राजकीय इंटर कॉलेज नरेन्द्रनगर के खेल मैदान में खेल निदेशालय, जिला प्रशासन, उत्तराखंड फुटबॉल संघ और जिला फुटबांल संघ टिहरी की ओर से राज्य स्तरीय द्वितीय टिहरी कप ओपन महिला फुटबॉल प्रतियोगिता के शुभारंभ पर कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल ने कहा कि जीवन में खेल जरूरी है। उद्घाटन मैच पौड़ी और बागेश्वर की टीमों के बीच खेला गया, जिसमें पौड़ी की टीम विजयी रही। दूसरा मैच टिहरी और चमोली की टीमों के बीच हुआ मैच ड्रा रहा। तीसरा मैच उत्तरकाशी और रुद्रप्रयाग की टीमों के बीच खेला गया, जिसमें उत्तरकाशी की टीम ने 11 शून्य मैच जीता। प्रभारी जिला खेल अधिकारी रितु जैन ने बताया कि प्रतियोगिता में 16 टीमें प्रतिभाग कर रही है। प्रतियोगिता की विजेता टीम को 31 हजार तथा उप विजेता टीम को 21 हजार रुपये की धनराशि के साथ ट्रॉफी प्रदान की जाऐगी, इसके अलावा बेस्ट गोलकीपर को 5 हजार रुपये नगद धनराशि और ट्रॉफी दी जाऐगी।

बताया इस बार उत्तराखंड फुटबॉल प्रतियोगिता के नेशनल गेम्स की मेजबानी करेगा। नरेन्द्रनगर में चल रही प्रतियोगिता की सलेक्शन कमेटी नेशनल गेम के लिये खिलाड़ियों का चयन करेंगे। मौके पर निर्वतमान नगर पालिकाध्यक्ष राजेंद्र विक्रम पंवार, एसडीएम नरेन्द्रनगर देवेंद्र सिंह नेगी, देहरादून जिला खेल अधिकारी निधि बिंजोला, साकेत बिजल्वाण, सूर्य प्रकाश जोशी, महेश पालीवाल, राजू भारती, मनोज गंगोटी, चंद्रदेव नौटियाल आदि उपस्थित थे।

दशोली में बाल मेले में बच्चों ने दिखाया हुनर

चमोली। ग्राम शिक्षण केंद्रों के बाल मेले में नौनिहालों ने अपने बेहतर कला का प्रदर्शन करते हुए समाज में व्याप्त बुराइयों को दूर करने का आह्वान किया। उत्तराखंड सेवा निधि अल्मोड़ा और नव ज्योति महिला कल्याण संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में दशोली ब्लॉक के दोगडी कांडई के प्राथमिक विद्यालय में आयोजित ग्राम शिक्षण केंद्रों के बाल मेले में बच्चों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में अपने हुनर का प्रदर्शन कर अन्य बच्चों को भी इस दिशा में आगे बढ़ने का आह्वान किया। यहां आयोजित बाल मेले में भाषण प्रतियोगिता में वमियाला की दीया ने प्रथम, दोगड़ी की सानिया ने द्वितीय तथा कठूड़ की अंशिका ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। पेंटिग प्रतियोगिता में बमियाला की जानवी ने पहला, टेडा खंसाल की दीया ने दूसरा तथा कठूड़ की अंविका ने तीसरा स्थान पाया। स्वरविचत कविता में बमियाला की कल्पना ने प्रथम, कठूड़ की पूजा ने द्वितीय तथा दोगड़ी की आरुषि ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। कंप्यूटर भाषण में कांडई ग्रुप ने पहला तथा बछेर ग्रुप ने दूसरा स्थान पाया। चार्ट प्रतियोगिता में दोगड़ी सेंटर प्रथम, कठूड़ द्वितीय तथा बमियाला तीसरे स्थान पर रहा। नाटक में बमियाला प्रथम, दोगड़ी द्वितीय तथा कठूड़ तीसरे स्थान पर रहा। इस दौरान नौनिहालों ने विभिन्न नाटकों तथा सास्कृतिक कार्यक्रमों के जरिये आम लोगों को समाज में व्याप्त बुराइयों को दूर रहने की अपील की। वाल मेले का शुभारंभ करते हुए महिला संगठन दोगड़ी की अध्यक्ष पुष्पा देवी कांडई की अध्यक्ष सुनीता देवी तथा प्रधान पूनम वर्त्वाल ने कहा कि गांव स्तर पर इस प्रकार के आयोजनों से बच्चों में आगे बढ़ने की भावना बढ़ती है। पूर्व प्रधान भगत कन्याल ने कहा कि सेवा निधि की ओर से सालों से इस प्रकार के कार्यक्रम विभिन्न क्षेत्रों में आयोजित किये जाते हैं। साल भर में इस प्रकार के बाल मेलों से अन्य बच्चों को भी आगे बढ़ने का मौका मिलता है। सेवा निधि के कार्यकर्ता कैलाश पपने तथा रमा जोशी ने बच्चों के कार्यक्रमों की सराहना करते हुए कहा कि आगे से बच्चों को इससे बेहतर कार्यक्रम प्रस्तुत करने की जरूरत होगी ताकि नये बच्चें भी कार्यक्रमों में प्रतिभाग कर सके। इस कार्यक्रम में वमियाला, कठूड़, दोगड़ी कांडई, बछेर, टेडा खंसाल आदि क्षेत्रों के लोगों ने भी प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में कुदंन सिंह नेगी, बलवीर सिंह बिष्ट, देवेन्द्र सिंह बिष्ट, कैलाश, रेखा बिष्ट, पायल बिष्ट आदि थे।

भाजपा का 14 से चलेगा स्वच्छता अभियान

चमोली। माघ माह के पहले सप्ताह को भाजपा स्वच्छता सप्ताह के रूप में मनाएगा। 14 जनवरी से होने वाले इस स्वच्छता अभियान को भाजपा 22 जनवरी तक चलाएगी। जिसके लिए जिला स्तर पर समिति गठित करते हुए नंदप्रयाग नगर पंचायत की पूर्व अध्यक्ष डा. हिमानी वैष्णव को संयोजक बनाया गया है। भाजपा जिलाध्यक्ष रमेश मैखुरी ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2 अक्तूबर 2014 से देशभर में स्वच्छता अभियान शुरू किया था। अब जबकि 22 जनवरी को भगवान रामलला अपने स्थान पर विराजमान हो रहे हैं। ऐसे में ईश्वरीय भक्ति के बाद स्वच्छता ही सबसे बड़ी शक्ति के रूप को मानते हुए 14 जनवरी से भगवान राम की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा तक गांव–गांव स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। जिसके लिए डा. हिमानी वैष्णव को संयोजक, ज्योति कैलखुरा, सुनील पंत, संजय रावत, कविता नेगी और लक्ष्मण फरकिया को जिला स्तर पर सह संयोजक की जिम्मेदारी दी गई है। मैखुरी ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार ने कई लोक कल्याणकारी योजनाओं को संचालित किया है जिसे विकसित संकल्प यात्रा के दौरान घर–घर जाकर लोगों को बताया गया है।

तीर्थपुरोहितों का आंदोलन 10 से

नई टिहरी। चारधाम तीर्थपुरोहित हक हकूकधारी महापंचायत समिति आगामी 10 जनवरी को देवप्रयाग से सरकार द्वारा तीर्थाटन के बजाय पर्यटन को बढ़ावा देने पर जन आंदोलन शुरू करेगी। श्री रघुनाथ मन्दिर में महापंचायत अध्यक्ष कृष्ण कांत कोटियाल की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में प्रदेश भर से तीर्थपुरोहित, हक हकूकधारी व बुद्धिजीवी जुटेंगे। सचिव हरीश डिमरी ने बताया कि, सरकार पौराणिक मान्यताओं, तीर्थ पुरोहितों व स्थानीय जनता को दर किनार कर तीर्थों का पर्यटन केंद्र के रूप में विकास कर रही है।

मां नारी चंडिका की दिवारा यात्रा ने भ्रमण कर अपने भक्तों को दिया आशीर्वाद

रुद्रप्रयाग। मां नारी चंडिका की दिवारा यात्रा विभिन्न गांवों का भ्रमण कर अपने भक्तों को आशीर्वाद दे रही है। इस दौरान गांव–गांव में मां का पुष्प वर्षा के साथ स्वागत किया जा रहा है। मां की दिवारा यात्रा सोमवार को कमेड़ा पहुंचेगी। जबकि इसके बाद बेला खुरड़ आदि गांवों का भ्रमण करेगी। मां चंडिका की दिवारा यात्रा में इन दिनों बड़ी संख्या में भक्त मां से खुशहाली का आशीष ले रहे हैं। बीते 2 जनवरी से मां ग्राम चोपड़ा, कुरझण, चापड़, गंधारी, चमस्वाड़ा, गडमिल आदि गांवों में भ्रमण कर रही है। सोमवार को मां की दिवारा यात्रा कमेड़ा में पहुंचेगी। यहां रात्रि विश्राम के बाद मां 9 जनवरी को बेला खुरड, 10 को सन गांव में रात्रि प्रवास करेगी। इसके बाद मां चंडिका नारी जाएगी जहां 3 से 4 दिन का देवी पूजन कार्यक्रम होगा। इसके बाद मां का दूसरा दिवारा उत्तर दिवारा 15 जनवरी से मयकोटि गांव से शुरू होगा। मां की दिवारा यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में महिलाएं,

बुजुर्ग, नौजवान एवं बच्चे आशीर्वाद लेने पहुंच रहे हैं जबकि मां सभी भक्तों की कुशलक्षेम पूछते हुए खुशहाली का आशीष दे रही है। इस मौके पर पंडित संजय सेमवाल, पंडित अनूप सेमवाल, पुजारी हरीश चंद्र मलवाल, नोजुला मंदिर समिति अध्यक्ष दिक्षराज रावत, गजे सिंह, बलराम सिंह, गोविन्द सिंह नेगी, मस्तान सिंह, महिपाल सिंह नेगी, सुरेन्द्र सिंह सजवाण, गजेन्द्र सिंह नेगी आदि मौजूद थे।

गोपेश्वर में लोस और निकाय चुनाव को लेकर कांग्रेस ने किया मंथन

चमोली। आगामी लोक सभा चुनावों की तैयारियों को लेकर जिला मुख्यालय गोपेश्वर में कांग्रेस के जिला अध्यक्ष मुकेश नेगी की अध्यक्षता में जिला कांग्रेस कमेटी की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। जिसमें कांग्रेस ने लोकसभा और नगर निकाय चुनाव की रणनीति पर मंथन किया। पार्टी के जिला अध्यक्ष मुकेश नेगी ने आगामी लोकसभा चुनाव और नगर निकाय चुनावों के लिए पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर युद्ध स्तर पर कार्य करने की अपील की। जानकारी देते हुये कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष आनन्द सिंह पंवार ने बताया बैठक में जहां कांग्रेस की नीती रीति पर कार्यकर्ताओं से विचार विमर्श किया गया। आगामी चुनावों को लेकर तैयार रह कर कार्य करने की सलाह दी गई। वहीं भाजपा की जनविरोधी नीतियों को जन–जन तक गांव गांव तक पहुंचाने हेतु काम करने को कहा गया। पार्टी की ओर से बताया गया था कि बैठक में वरिष्ठ नेता मनीष खंडूरी, पूर्व विधायक गणेश गोदियाल, बदरीनाथ के विधायक और कांग्रेस के दिग्गज नेता राजेन्द्र भंडारी , पूर्व विधायक डाक्टर जीतराम टम्टा सहित कांग्रेस के अन्य अन्य नेता शामिल रहेंगे पर शनिवार को आयोजित बैठक मे ये नेता नदारद रहे।

ये नेता रहे बैठक में मौजूदः

कांग्रेस की इस महत्वपूर्ण बैठक में बदरीनाथ विधानसभा प्रभारी लक्ष्मण सिंह बिष्ट, थराली विधानसभा प्रभारी प्रकाश रावत, कर्णप्रयाग विधानसभा प्रभारी महावीर बिष्ट, पूर्व जिला अध्यक्ष बीरेंद्र सिंह रावत, नगर अध्यक्ष योगेंद्र बिष्ट सहित अन्य कांग्रेसी मौजूद रहे।

दस्तावेज सही न मिलने पर आयुक्त ने लगाई फटकार

नई टिहरी। राज्य सूचना आयुक्त योगेश भट्ट ने नगर पालिका, देवप्रयाग का निरीक्षण किया। कार्यालय में रिकॉर्ड सही तरीके से नहीं मिलने पर उन्होंने निकाय कर्मियों को फटकार भी लगाई। राज्य सूचना आयुक्त योगेश भट्ट शुक्रवार देर सायं यहां पहुंचे। सूचना अधिकार से जुड़ी शिकायतों को लेकर उन्होंने नगर पालिका में रात 8 बजे तक पत्रावलियों की जांच की। राज्य सूचना आयुक्त ने कहा कि सूचना अधिकार के तहत मिले आवेदनों को बोझ न समझा जाए। कार्य संस्कृति में बदलाव लाकर व्यवस्था को पारदर्शी बनाए। उन्होंने कहा कि सूचना का अधिकार गलतियों को सुधारने का मौका देता है। इसकी धारा 4 के तहत 17 बिंदुओं का मन्युअल सभी विभागों को अपनाने को कहा गया है जिससे हर सूचना आम लोगों को मिल सके। उन्होंने कहा कि मैदानी क्षेत्रों की अपेक्षा पहाड़ों में सूचना अधिकार का कम उपयोग हो रहा है। राज्य सूचना आयुक्त का विधायक विनोद कंडारी ने स्वागत करते उन्हें भगवत गीता भेंट की। शनिवार सुबह सूचना आयुक्त ने रघुनाथ मन्दिर में पौष माह की महापूजा में भाग लिया।

प्रशासन की पहल पर रुद्रप्रयाग संगम में हुआ योग शुरू

रुद्रप्रयाग। भगवान रुद्रनाथ मंदिर से सटे रुद्रप्रयाग संगम में योगाभ्यास शुरू हो गया है। जिलाधिकारी सौरभ गहरवार की पहल पर रुद्रप्रयाग संगम तट को योग केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। रविवार सुबह जिला स्तरीय अधिकारियों, कर्मचारी एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा संगम तट पर योग की पहली क्लास में प्रतिभाग करते हुए इस अभियान की शुरुआत कर दी गई है। रविवार सुबह संगम तट पर योग करने पहुंचे रुद्रप्रयाग विधायक भरत सिंह चौधरी ने जिला अधिकारी के प्रयास की सराहना की। कहा कि भगवान रुद्रनाथ की नगरी में संगम तट पर योग अभ्यास शुरू होना प्रशासन की अभिनव पहल है। भगवान नारद की तपस्थली का सदुपयोग किया जा रहा है और पहली बार यहां योग शुरू किया गया है। जिलाधिकारी डॉ सौरभ गहरवार ने इस प्रयास का श्रेय स्थानीय जनप्रतिनिधियों को दिया। कहा कि अलकनंदा और मंदाकिनी के संगम पर योग अभ्यास करना अपने आप में एक आनंद की अनुभूति देता है।

सड़क के लिए धरने पर बैठे वृद्ध और बच्चे

चमोली। जनवरी की कड़कड़ाती ठंड में सूदूरवर्ती गांव डुमक में सड़क की मांग के लिए ग्रामीणों के साथ सौ वर्षीय बच्ची देवी सहित 3 से 10 वर्ष के बच्चे सड़क की मांग के लिए धरने पर बैठे हैं।

वृद्धा बच्ची देवी के इस जज्बे को देख कर क्षेत्र और गांव के ग्रामीणों को अपने मिशन के लिए ताकत मिल रही है। सेंजी लग्गा डुमक सड़क निर्माण की मांग के लिए बनी संयुक्त संघर्ष समिति के संयोजक लक्ष्मण सिंह नेगी, राजेन्द्र सिंह भंडारी ने बताया कि समुद्र तल से 7000 फिट की उंचाई पर स्थित सुदूरवर्ती डुमक गांव के ग्रामीण सड़क निर्माण की मांग के लिए गांव में धरने में बैठे हैं। गांव की सबसे वृद्ध बच्ची देवी जिनकी उम्र 100 है, वे भी धरने पर बैठीं हैं। 90 वर्षीय बचन सिंह, 3 वर्ष का वंश दीप भंडारी, अनूप भंडारी, 5 वर्ष का गौरव 10 और गांव के हर उम्र के लोग धरने पर बैठे हैं। धरने पर बैठीं बच्ची देवी सरकार, प्रशासन से कहतीं हैं कि हमें आपसे सिर्फ सड़क चाहिए। सड़क के अलावा कुछ नहीं। शिक्षा, स्वास्थ्य और नये युग के लिए सड़क चाहिए। पीढ़ियों से सड़क की मांग कर रहे हैं। पर हमेशा ग्रामीणों को छला जा रहा है। अबकी बार सड़क लेकर ही रहेंगे। मैकोट सेंजी लग्गा सड़क निर्माण की मांग के लिए बनी संयुक्त संघर्ष समिति का आन्दोलन 13 वें दिन भी जारी रहा। संघर्ष समिति ने सड़क निर्माण में देरी और सड़क के ग़लत समरेखण लिए पीएमजीएसवाई को जिम्मेदार मानते हुए प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के अधिकारियों का पुतला दहन किया। मैकोट सेंजी लग्गा डुमक सड़क की मांग के आन्दोलन को लेकर जोशीमठ की उर्गम घाटी, सोनल घाटी और दशोली विकास खंड के 112 से अधिक गांव जुड गए हैं। आन्दोलन से जुड़े राजेन्द्र सिंह भंडारी बताते हैं कि सड़क के लिए ग्रामीण एकता बनाये रखने के लिए रविवार से दशोली विकास खंड के गांवों की भी यात्रा शुरू हो गई है।

सम्पादकीय

नीतीश चाहते हैं विधानसभा चुनाव!

भाजपा नहीं चाहती है कि किसी भी बड़े राज्य में, जहां भाजपा का आधार मजबूत है वहं लोकसभा के साथ विधानसभा का चुनाव हो। भाजपा को हमेशा इस बात की चिंता रहती है कि विधानसभा के जातीय समीकरण का असर लोकसभा की वोटिंग पर भी पड़ सकता है, जिसका नुकसान भाजपा को हो सकता है। इसलिए बिहार जैसे बड़े राज्य में भाजपा लोकसभा के साथ विधानसभा चुनाव को नहीं जोडऩा चाहती है। जानकार सूत्रों का कहना है कि नीतीश कुमार ने इस बारे में राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद से भी बात की थी। लेकिन लालू प्रसाद ने भी एक साथ चुनाव कराने से मना कर दिया। बताया जा रहा है कि राजद के राजी नहीं होने की स्थिति में नीतीश कुमार ने अकेले चुनाव लडऩे की संभावना पर भी विचार किया था। जानकार सूत्रों के मुताबिक राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह के अध्यक्ष पद से हटने से पहले ही उनसे एक बार बात की थी और कहा था कि क्यों नहीं जनता दल यू अकेले चुनाव लड़ जाए। यह भी बताया जा रहा है कि नीतीश के कैलुकेशन में छोटे छोटे कई क्षत्रप शामिल हैं। उनको लग रहा है कि पशुपति पारस, उपेंद्र कुशवाहा आदि को साथ लेकर वे अकेले चुनाव लड़ सकते हैं। उनकी पार्टी के एक जानकार नेता ने बताया कि वे कांग्रेस से बात करके उसको राजद से अलग करने और जदयू के साथ मिल कर लडऩे के लिए राजी करने की कोशिश भी करेंगे। हालांकि कांग्रेस भी इस आइडिया के पक्ष में नहीं है। असल में नीतीश कुमार इस बात के लिए बेचैन हैं कि किसी तरह से उनके विधायकों की संख्या में इजाफा हो। उनको पता है कि 45 विधायक लेकर वे बहुत दिन तक बिहार की राजनीति को अपनी शर्तों पर नहीं चला पाएंगे। उनको यह भी लग रहा है कि कुछ विधायक लोकसभा चुनाव की टिकट के लालच में पार्टी और विधायकी छोड़ सकते हैं। उनकी सीटों पर उपचुनाव हुआ तो जदयू की जीत की संभावना अच्छी नहीं रहेगी। दूसरी ओर उनके विधायकों को चिंता है कि अगर साथ में चुनाव हुआ तो उनको अपनी सीट गंवानी पड़ सकती है क्योंकि पिछले विधानसभा चुनाव में जदयू और राजद में आमने सामने का मुकाबला हुआ था। अगर दोनों साथ लड़ते हैं तो सीटों का अदला–बदली होगी। अगर राजद और भाजपा की बात करें तो दोनों के नेता नीतीश कुमार को लेकर आशंकित हैं। उनको पता है कि नीतीश कुमार विधानसभा का चुनाव चाहे राजद के साथ लड़ें या भाजपा के साथ लड़ें, उनकी सीटें बढ़ेंगी। और एक बार सीटें बढ़ गईं तो फिर वे किसी के काबू में नहीं रहेंगे। उनकी सीटें बढ़ेंगी तो इसका मतलब होगा कि विधानसभा और त्रिशंकु होगी और तब उनका महत्व और बढ़ेगा। इसलिए दोनों बड़ी पार्टियां नहीं चाहती हैं कि दो साल पहले विधानसभा का चुनाव करा कर नीतीश के हाथ में राजनीति का कंट्रोल दिया जाए।

फुगावों की मादकता से मुक्ति का समय

पंकज शर्मा

यह सुखद है कि कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व उत्साहीलालों की टोली की इस बिगुलबाज़ी की पूरी तरह अनदेखी कर रहा है और पूरी संजीदगी से सीट बंटवारे की प्रक्रिया को तजुर्बेकार लोगों की देखरेख में पूरी करा रहा है। कांग्रेस के भीतर अपनी तिकड़मों की बिसात बिछाते घूमते रहने वाले गिरोह ने यह राग अलापना भी शुरू किया था कि इंडिया–समूह के कुछ राजनीतिक दल ऐन वक़्त पर पलट जाएंगे, इसलिए कांग्रेस को अकेले चुनाव लडऩे की तैयारियां रखनी चाहिए।

सिर्फ़ इच्छाधारी होने भर से अगर इच्छाएं पूरी होने लगतीं तो फिर बात ही क्या थी? फिर इच्छाएं अगर आसमानी हों तो वे यूं ही ज़मीन पर नहीं उतर आती हैं। उन्हें आसमानी परिश्रम के ज़रिए अपनी बाहों में भर कर ज़मीन तक लाना पड़ता है। ला कर ज़मीन में बोना पड़ता है। खाद–पानी देना पड़ता है। उसके बाद फूटने वाले अंकुरों को कीड़े–मकोड़ों से सहेजना पड़ता है। तब जा कर इच्छाओं के पौधे आहिस्ता–आहिस्ता पेड़ बनते हैं। यह काम दो–चार दिनों में नहीं होता है। इसके लिए अनवरत अनथक खटने की दरकार होती है। तब कहीं जा कर किसी की कोई इच्छा थोड़ी–बहुत पूरी होती है।

और, इच्छा अगर सामूहिक हो तो उसे मंज़िल तक पहुंचाने की राह सामूहिकता–भाव रख कर ही शक़्ल लेती है। सामूहिक मेहनत, सामूहिक दरियादिली, सामूहिक समझदारी और सामूहिक अर्थवत्ता के बिना सामूहिक लक्ष्य हासिल करने की एक भी मिसाल इतिहास में नहीं है। इकलखुरेपन से, अपना–तेरी से, अहम्मन्यता से और 'तू चल, मैं आता हूं' के कांइयापन से मजमूई मकसद पूरे होने का एक भी उदाहरण अगर दुनिया के किसी पूर्ववृत्तांत में आप ने पढ़ा हो तो बताइए। लक्ष्यों तक पहुंचने की पद्धतियां सभ्यता के आरंभ से तय हैं। वे किसी के बदलने से बदलती नहीं हैं।

2024 की वसंत ऋतु गुजरने के बाद नरेंद्र भाई मोदी का वासंती–काल समाप्त होने की उम्मीद लगाए बैठे सकल–विपक्ष के सामूहिक लक्ष्य को अंजाम तक पहुंचाना कोई ख़ाला जी का खेल नहीं है। अगर इंडिया–समूह का कोई एक राजनीतिक दल या व्यक्ति यह सोच रहा हो कि वह अकेले अपने बूते यह क़रिश्मा कर दिखाएगा तो उसकी सूरमाई के परखच्चे उड़ते हम–आप ग़मगीन हो कर जल्दी ही देखेंगे।ममता बनर्जी को अगर लग रहा है कि चूंकि उन्हें लोकसभा के पिछले चुनाव में पश्चिम बंगाल के मतदाताओं ने 43.7 प्रतिशत वोट के साथ 22 सीटें दे दी थीं और कांग्रेस महज़ दो सीटें ही जीती थी, इसलिए सीट–बंटवारे में वे कांग्रेस को लडऩे के लिए दो ही सीटें देंगी तो जितनी जल्दी वे इस विपरीत–बुद्धि से बाहर आ जाएं, उनके लिए ही बेहतर होगा। ममता को यह नहीं भूलना चाहिए कि बंगाल के पिछले विधानसभा चुनाव में अगर कांग्रेस ने अपना मूक–विलय उनकी तृणमूल के साथ न कर दिया होता तो वे 294 में से 222 सीटें नहीं जीत जातीं। उन्हें यह भी याद रखना चाहिए कि लोकसभा के पिछले चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने 40.6 प्रतिशत वोट के साथ 18 सीटें जीती थीं। तृणमूल और भाजपा के बीच तीन प्रतिशत वोट और चार लोकसभा सीटों का यह फ़र्क़ कोई बहुत लंबा–चौड़ा नहीं है।

अरविंद केजरीवाल को भी इस ख़ामख़्याली से बाहर आने की ज़रूरत है कि पंजाब विधानसभा चुनाव में उन्हें मिली तुक्का–विजय से आम आदमी पार्टी सचमुच का राष्ट्रीय राजनीतिक दल बन गया है। आखिर 2019 के लोकसभा चुनाव में पंजाब से उन्हें साढ़े सात प्रतिशत वोट के साथ सिर्फ़ एक ही सीट तो मिली थी। पिछले साल के विधानसभा चुनाव में भी पंजाब में कांग्रेस ने 23.1 प्रतिशत वोट और 18 सीटें हासिल की हैं। दिल्ली में भी कांग्रेस की उपस्थिति इतनी गई–बीती नहीं है कि केजरीवाल उसे खारिज कर दें। सो, अगर वे गरिमामयी तालमेल के रास्ते पर आगे बढ़ेंगे तो उनकी निजी भावी सियासत ठोस बनेगी। नहीं तो वे इंडिया–समूह के साथ खुद की नींव को भी पोला बनाएंगे।

अरविंद केजरीवाल को भी इस ख़ामख़्याली से बाहर आने की ज़रूरत है कि पंजाब विधानसभा चुनाव में उन्हें मिली तुक्का–विजय से आम आदमी पार्टी सचमुच का राष्ट्रीय राजनीतिक दल बन गया है। आखिर 2019 के लोकसभा चुनाव में पंजाब से उन्हें साढ़े सात प्रतिशत वोट के साथ सिर्फ़ एक ही सीट तो मिली थी। पिछले साल के विधानसभा चुनाव में भी पंजाब में कांग्रेस ने 23.1 प्रतिशत वोट और 18 सीटें हासिल की हैं। दिल्ली में भी कांग्रेस की उपस्थिति इतनी गई–बीती नहीं है कि केजरीवाल उसे खारिज कर दें। सो, अगर वे गरिमामयी तालमेल के रास्ते पर आगे बढ़ेंगे तो उनकी निजी भावी सियासत ठोस बनेगी। नहीं तो वे इंडिया–समूह के साथ खुद की नींव को भी पोला बनाएंगे।ममता के बारे में तो मैं पूरी तरह आश्वस्त हूं कि बावजूद अपनी थोड़ी विचलन भरी पृष्ठभूमि के वे मोशा–भाजपा से गुपचुप गलबहियां इसलिए कर ही नहीं सकती हैं कि वे जानती हैं कि जऱा–सी गफ़लत उन्हें कहां पहुंचा देगी। जांच एजेंसियों के डर की वज़ह से केजरीवाल की नीयत पर शक़ करने वालों से भी मैं सहमत नहीं हूं। वे भी अब अच्छी तरह समझ गए हैं कि कांग्रेस–मुक्त भारत की स्थापना के भाजपाई षडयंत्र का मोहरा बन कर वे अपने दीर्घकालीन राजनीतिक भविष्य से अंततः हाथ धो बैठेंगे। वे अब सकल–विपक्ष के साए तले ही महफ़ूज़ रह सकते हैं। इंडिया–समूह को भी यह समझ लेना चाहिए कि यह समय अपने सहयोगियों के किए–अनकिए में मीनमेख निकालने का नहीं, मजबूती से उनके साथ खड़े रहने का है।

लालू प्रसाद, नीतीश कुमार और शरद पवार की विस्तारवादी खूवाहिशों को सीट बंटवारे की राह का रोड़ा बता कर ज़ोरशोर से प्रचारित करने वाले मीडिया–घुड़सवार आपको एकाध हफ़्ते बाद हताशा में डूबे नजऱ आएंगे। सत्तासीन डोरियों से संचालित नचनिया–मंडली के इन जमूरों को ऐसे–ऐसे ठुमके लगाते देख अब पूरा मुल्क़ आजिज़ आ गया है। वे मौजूदा सत्ता–व्यवस्था से इतनी निर्लज्जता से एकाकार हो चुके हैं कि नरेंद्र भाई की विदाई का भय उनकी रक्त शिराओं में भाजपा के बदन से भी दस गुना ज़्यादा रफ़्तार से खदबदा रहा है। सत्ताच्युत होने पर भी भाजपा का उतना बुरा हाल नहीं होने वाला है, जितना चाय से भी ज़्यादा गर्म केतलियों का हो जाएगा। दस बरस के अपने घनघोर अनैतिक कर्मों का डर अब बहुत–से मीडिया–प्रेतों को बेतरह सता रहा है। सो, आने वाले चार–पांच महीने उनके नाच की नंगई तो और भी बढऩे ही वाली है। अब आइए कांग्रेस पर। मुझे लगता है कि कांग्रेस यह अच्छी तरह समझ गई है कि यह वक़्त दोबारा नहीं आने वाला है। इसलिए वह इंडिया–समूह के अंतिम मकसद की कामयाबी के लिए असंदिग्ध दधीचि मुद्रा में है। मगर एक धड़ा है, जो इस फुगावे की मादकता में मशगूल डोल रहा है कि कांग्रेस ही इंडिया–समूह का सबसे बड़ा राजनीतिक दल है; कि कांग्रेस ही इस चुनाव के बाद भी इंडिया–समूह के सबसे बड़े राजनीतिक दल के तौर पर उभर कर सामने आएगी; कि कांग्रेस का इतिहास 138 साल पुराना है; कि कांग्रेस को पिछले लोकसभा चुनाव में 12 करोड़ मतदाताओं ने समर्थन दिया था; कि राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा' ने सकल–विपक्ष को प्राणवान बनाया है; कि राहुल की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' जब मणिपुर से मुंबई पहुंच जाएगी तो सकल–विपक्ष के गालों का रंग और भी सुर्ख़ गुलाबी हो जाएगा; वग़ैरह, वग़ैरह।

ये तमाम तर्क सही हैं, मगर वे मौजूं नहीं हैं। यह सुखद है कि कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व उत्साहीलालों की टोली की इस बिगुलबाज़ी की पूरी तरह अनदेखी कर रहा है और पूरी संजीदगी से सीट बंटवारे की प्रक्रिया को तजुर्बेकार लोगों की देखरेख में पूरी करा रहा है। कांग्रेस के भीतर अपनी तिकड़मों की बिसात बिछाते घूमते रहने वाले गिरोह ने यह राग अलापना भी शुरू किया था कि इंडिया–समूह के कुछ राजनीतिक दल ऐन वक़्त पर पलट जाएंगे।

क्या सीएम आवास पर पड़ेगा ईडी का छापा?

अभी तक ऐसा नहीं हुआ है कि किसी केंद्रीय एजेंसी ने पद पर मौजूद मुख्यमंत्री के ऊपर कार्रवाई की हो और उसके आधिकारिक आवास पर छापा मारा हो। लेकिन अब एजेंसियों की सक्रियता और मुख्यमंत्रियों के खिलाफ चल रही कार्रवाई को देखते हुए ऐसा कहा जा रहा है कि मुख्यमंत्री आवास पर भी छापा मारा जा सकता है। कम से कम दो राज्यों, दिल्ली और झारखंड में इस बात की बहुत तेज चर्चा चल रही है कि प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी किसी भी समय दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के घर और कार्यालय पर छापा मार सकती है।इससे पहले दिल्ली के मुखयमंत्री अरविंद केजरीवाल के कार्यालय में सीबीआई ने छापा मारा था लेकिन वह कार्रवाई मुख्यमंत्री के तत्कालीन प्रधान सचिव राजेंद्र कुमार के खिलाफ हो रही थी और सीबीआई ने उनके कार्यालय में घुस कर तलाशी ली थी। हालांकि तब भी आम आदमी पार्टी ने यही माहौल बनाया था कि सीबीआई ने सीएम ऑफिस की तलाशी ली है। इसी तरह पश्चिम बंगाल में सीबीआई ने ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी के यहां छापा मारा तो सिर्फ उन्हीं के घर और दूसरे परिसरों पर जांच हुई थी। एजेंसी ने काली घाट स्थित ममता बनर्जी और उनके भाई के घर पर छापा नहीं मारा था।लगता है कि जल्दी ही यह परंपरा टूट सकती है। आम आदमी पार्टी ने तो गुरुवार को ही छापा पडऩे की भविष्यवाणी की थी। राज्य की नंबर दो मंत्री आतिशी और अन्य नेताओं ने बुधवार क ट्विट करके दावा किया कि गुरुवार को केजरीवाल के आवास पर ईडी छापा मार सकती है और उनको गिरफ्तार कर सकती है। गौरतलब है कि केजरीवाल तीन बार के समन के बावजूद पूछताछ के लिए ईडी के सामने नहीं गए हैं। उधर झारखंड में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सात बार के समन के बावजूद पूछताछ के लिए ईडी के ऑफिस नहीं गए हैं।

भीड़ में खोई जिंदगी!

हरिशंकर व्यास,

मैं पंद्रह–बीस दिन भीड़ में खोया रहा। दिल्ली की भीड़, ट्रेन की भीड़, शादी की भीड़, एयरपोर्ट की भीड़! और ठंड–ठिठुरन, प्रदूषण, बदबू, बदहजमी, धुंध में ऐसा फंसा कि समझ नहीं आया कि करें तो क्या करें! लिखें तो क्या लिखें! कुछ वर्षों से मैं दीपावली के बाद, सर्दियों में दिल्ली से दूर राजस्थान में रहता हूं। लेकिन इस वर्ष दिल्ली में अभिन्न परिवारों से शादियों के न्योते थे तो दिल्ली आना पड़ा। और ठंड, भीड़, प्रदूषण से बच नहीं पाया। बुखार, वायरल, खांसी से दिमाग झनझनाया। और सवाल बना कि हम हो क्या गए हैं? सही है शुरू से ही भीड़ हमारी प्रकृति, दशा–मनोदशा और नियति है लेकिन भीड़ तो मुझे 1975 में दिल्ली आने के वक्त भी फील हुई थी। उन दिनों मैं भी 31 दिसंबर की रात और पहली जनवरी के दिन कनॉट प्लेस, इंडिया गेट इलाके में भीड़ के जश्न में होता था। पर तब और अब के माहौल और चेहरों का फर्क! तब न प्रदूषण था, न बीमारियां थीं और न इस तरह की खबरें पढऩे को मिलती थी कि ठंड, प्रदूषण और हाइपरटेंशन से दिल्ली के लोगों में स्ट्रोक्स की 40 प्रतिशत बढ़ोतरी है। आईसीयू में भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या में 20 प्रतिशत तक की वृद्धि है। स्ट्रोक जैसी जानलेवा बीमारी का कारण ठंड और बढ़ता प्रदूषण है। और डॉक्टर बुखार, खांसी पर न केवल वायरल, वायरस की चेतावनी देते हैं, बल्कि कई तरह की जांच भी करवाते हैं।

दिल्ली में अस्सी–नब्बे के दशक में भी ठंड पड़ती थी। और इन सालों की तुलना में अधिक। पर तब ठंड में मजा था। मैं उन दिनों नई दिल्ली के एनडीएमसी इलाके में ही रहता था तो ठंड के बावजूद तालकटोरा पार्क घूमने का ठीकाना था। सर्दियों में दिल्ली के मंडी हाउस इलाके में संगीत, नाटक, कला प्रदर्शनियों, साहित्य अकादमी की गतिविधियों का अंबार लगा होता था। लोगों को याद नहीं रहा होगा मगर सत्य है जो अखबारों के लोकल पेज में तब 'आज के कार्यक्रम' में पूरा कॉलम शहर में होने वाली सांस्कृतिक गतिविधियों की सूचना देता था। रात–रात भर संगीत कार्यक्रम होते थे। त्रिवेणी, कमानी, एनएसडी, मार्डन स्कूल, प्रगति मैदान में शास्त्रीय संगीत, किताब चर्चा, अंतरराष्ट्रीय स्तर की कला प्रर्दशनी जैसे त्रिनाले, नाट्य पखवाड़ा और दूतावासों के सांस्कृतिक केंद्रों में भी सिनेमा–कला के शो हुआ करते थे।

वैसा अब कुछ नहीं है। दिल्ली सांस्कृतिक तौर पर पूरी तरह सूखी और उजड़ी हुई है। और सबसे बड़ा त्रासद सत्य दिल्ली में तब लोगों का जो हुजूम होता था, जिस कद–काठी के चेहरों का जो संभ्रात वर्ग दिखता था, उसकी कल्पना अब संभव नहीं है। इसलिए कि पहली बात तो दिल्ली में कला– साहित्य, नाटक, सांस्कृतिक गतिविधियां हैं कहां जो जमावड़ा बने? और जैसा दिल्ली में है वैसा मुंबई, कोलकत्ता, चेन्नई, पुणे आदि महानगरों में भी है। मुंबई–पुणे भी एक वक्त मराठी रंगमंच, जहांगीर आर्ट गैलेरी, कला प्रर्दशनियों, साहित्यिक लेखन, बहस का ठिकाना होता था। लेकिन ये भी अब भीड़, धंधे, पैसे और झुग्गी–झोपड़ी के शहर हैं। जेआरडी के वक्त टाटा ग्रुप के आर्ट–कल्चर के जैसे प्रकाशन हुआ करते थे वैसा अब कुछ भी नहीं है।

आईडीएफ ने हमास के सैन्य कमांडर मोहम्मद डेफ की नई तस्वीर की जारी

तेल अवीव , एजेंसी। इजरायल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने हमास के सैन्य कमांडर मोहम्मद डेफ़ की एक तस्वीर जारी की है, जो लंबे समय से गायब है।

दक्षिणी इज़राइल में 7 अक्टूबर के नरसंहार के लिए इज़राइल द्वारा डेफ़ और याह्या सिनवार को जिम्मेदार ठहराया गया है, जिसमें 1,200 लोग मारे गए थे और 200 से अधिक का अपहरण कर लिया गया था।

आईडीएफ के प्रवक्ता रियर एडमिन डैनियल हागारी ने पहली बार फोटो का खुलासा करते हुए कहा कि यह गाजा में आईडीएफ द्वारा बरामद की गई लगभग 70 मिलियन डिजिटल फाइलों में से एक है।

छवि का खुलासा तब हुआ जब डेफ़ की एक अलग तस्वीर, जिसे वर्षों से सार्वजनिक रूप से नहीं देखा गया था, इजरायली मीडिया में प्रसारित होने लगी।

आईडीएफ ने एक बयान में कहा कि बरामद किए गए डेटा में गाजा के बाहर स्थित हमास के अधिकारियों के बारे में विवरण और जानकारी भी शामिल है और इसने सेना को महत्वपूर्ण खुफिया जानकारी प्रदान की है। फोटो में डेफ़ को एक हाथ में गहरे रंग के तरल पदार्थ से भरा प्लास्टिक का कप और दूसरे हाथ में अमेरिकी डॉलर के नोटों की एक गड्डी पकड़े हुए देखा गया था। हालांकि इज़रायली हिब्रू मीडिया ने बताया कि यह तस्वीर 2018 की है और संभावना है कि यह किसी सामाजिक कार्यक्रम के दौरान ली गई होगी। पहले ऐसी खबरें थीं कि इजरायली हत्या के प्रयासों में डेफ ने अपना एक हाथ और एक या दोनों पैर खो दिए हैं। हालांकि नई फोटो में उनके दोनों हाथ तो दिख रहे हैं, लेकिन उनकी एक आंख गायब दिख रही है।

राइंका मरोड़ा का एनएसएस शिविर संपन्न

नई टिहरी। राइंका मरोड़ा का सात दिवसीय विशेष एनएसएस शिविर रंगारंग कार्यक्रमों के साथ संपन्न हो गया। शिविर समापन पर कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मयंक चावला ने विद्यालय को एक कम्प्यूटर भेंट किया। गोद सेवा फाउंडेशन की ओर से गरीब छात्रों को स्वेटर, जूते और जैकेट बांटी गई। शिविर संचालक डॉ. त्रिलोक चंद्र सोनी ने छात्रों और कार्यक्रम में उपस्थित लोगों से गढ़वाल की पौराणिक संस्कृति से रुबरु करवाया और उसे बचाने का आह्वान किया। स्वयं सेविियों ने सरस्वती वंदना, स्वागत, लोक गीत और नृत्य कर रंगारंग प्रस्तुति दी। मौके जितेंद्र लिंगवाल, अमित नेगी,डीसीबी मरोड़ा के प्रबंधक शशिकांत गुसाईं, अनिल हटवाल, दिनेश उनियाल सुरेंद्र हटवाल, उषा देवी, सुमन दास, किरन सोनी, प्रतिमा लिंगवाल, बीना भंडारी आदि मौजूद थे।

तीन दिवसीय बड़मा महोत्सव 12 से शुरू

रुद्रप्रयाग। विकासखण्ड जखोली की बड़मा पट्टी में तीन दिवसीय कृषि पर्यटन एवं सांस्कृतिक विकास महोत्सव आगामी 12 से 14 जनवरी को आयोजित किया जाएगा। समिति की वरिष्ठ सदस्य एवं पूर्व क्षेत्र पंचायत प्रमुख जखोली जगदेश्वरी भारद्वाज ने बताया है कि विकासखण्ड जखोली के बड़मा पट्टी की 18 ग्राम पंचायतों के सहयोग से पहली बार आयोजित होने वाले बड़मा पट्टी महोत्सव का क्षेत्र में भव्य रूप से आयोजन किया जा रहा है,जिसमें क्षेत्र की महिला मंगल दल, युवक मंगल दल, स्कूली बच्चे एवं स्थानीय कलाकारों के साथ ही पेशेवर कलाकारों द्वारा अपने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसके अतिरिक्त मेले में किसानों द्वारा अपने कृषि उत्पादों की प्रदर्शनी के साथ ही सरकारी एवं स्वयं सहायता समूहों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा स्टाल लगाकर विभागीय योजनाओं की जानकारियां काश्तकारों को दी जाएगी। उन्होंने सभी क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों एवं स्थानीय लोगों से मेले को भव्य रूप देने में सहयोग करने का आग्रह किया है।

देश भर में दवा बनाने के नियम सख्त, केंद्र सरकार के निर्देश पर लागू होंगे कड़े गुणवत्ता मानक

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की सभी दवा निर्माता कंपनियों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर के कड़े गुणवत्ता मानकों का पालन अनिवार्य कर दिया गया है। हालांकि नए गुणवत्ता मानकों का पालन सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने दवा कंपनियों को छह से 12 महीने तक समय दिया है। यह स्पष्ट कर दिया गया है कि इनकी अनुपालना हर सूरत करनी होगी। अनुपालना न करने वाली दवा कंपनियों के खिलाफ जुर्माना या लाइसेंस रद्द किए जाने जैसी कड़ी कार्रवाई अमल में लाई जा सकती है। इस संदर्भ में 28 दिसंबर को स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा अधिसूचना जारी कर दी गई है, जिसके तहत संशोधित गुड मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिस (जीएमपी) के दिशानिर्दशों को अपनाने को कहा गया है। बतातें चलें कि भारत दुनिया की फार्मेसी कैपिटल के रूप में अपनी पहचान बना रहा है।

इसी साख को बरकरार रखने के मकसद से यह कदम उठाए गए हैं। इस वक्त देश में 10500 से ज्यादा दवा निर्माता कंपनियां हैं, जिसमें से सिर्फ 2000 दवा कंपनियां ही डब्ल्यूएचओ जीएमपी सर्टिफाइड हैं। जानकारी के मुताबिक गुणवत्तापूर्ण दवाओं के उत्पादन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से दवा निर्माण नियमों में बदलाव किया गया है, अब नियमों को वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाया गया है। सरकार के दिशानर्देश वाले इन बदलावों को लागू करने के लिए 250 करोड़ रुपए से अधिक का वार्षिक कारोबार करने वाली दवा कंपनियों को छह महीने का वक्त दिया गया है, जबकि छोटे और मध्यम निर्माताओं को एक साल के भीतर संशोधित गुड मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिस (जीएमपी) को अपनाना होगा। एक साल की अवधि में बदलाव करना चुनौतीपूर्ण : हिमाचल ड्रग मैन्युफैक्चर्स एसोसिएशन (एचडीएमए) राजेश गुप्ता ने गुणवत्तापूर्ण दवाओं के निर्माण को सुनिश्चित करने पर सरकार की चिंता को साझा करते हुए कहा कि सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के लिए एक वर्ष के भीतर चल रही इकाई में कई बदलावों को शामिल करना एक बड़ी चुनौती होगी। उन्होंने कहा की सरकार को एमएसएमई के लिए समयसीमा तीन साल तक बढ़ानी चाहिए, क्योंकि अधिकांश एमएसएमई पहले से ही ऋण की देनदारी से जूझ रहे हैं और अतिरिक्त ऋण प्राप्त करने में समय लगेगा। फार्मा उद्योग जगत ने इस बात पर भी नाराजगी जताई कि हालांकि मंत्रालय ने अनुसूची एम में संशोधन करते समय वैश्विक विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों को अपनाया था, लेकिन दिशानिर्देशों को पेश करने के बजाय उन्होंने इसे और अधिक कठोर प्रावधान बनाते हुए एक नियम शामिल किया है।

केंद्र सरकार दवा जारी अधिसूचना के अनुसार कि दवा निर्माता को ही अपने उत्पाद की गुणवता के लिए जिम्मेदारी लेनी होगी, यह भी निर्माता की ही जिम्मेदारी होगी कि उनका उत्पाद सुरक्षा या गुणवत्ता में कमी के कारण मरीज की जिंदगी को खतरे में तो नहीं डालता। इसके अलावा फार्मा कंपनियों को किसी उत्पाद पर फाइनल या तैयार का लेबल तभी लगाना चाहिए, जब उसके परीक्षण में संतोषजनक नतीजे निकले हों ।

संशोधित अनुसूची एम के कुछ प्रमुख बदलावों में फार्मास्युटिकल गुणवत्ता प्रणाली (पीक्यूएस), गुणवत्ता जोखिम प्रबंधन (क्यूआरएम), उत्पाद गुणवत्ता समीक्षा (पीक्यूआर), उपकरणों की योग्यता और सत्यापन, परिवर्तन नियंत्रण प्रबंधन, स्व निरीक्षण, गुणवत्ता ऑडिट टीम, आपूर्तिकर्ताओं का ऑडिट और अनुमोदन, अनुशंसित जलवायु स्थिति के अनुसार स्थिरता अध्ययन, जीएमपी–संबंधित कम्प्यूटरीकृत प्रणाली का सत्यापन, खतरनाक उत्पादों के निर्माण के लिए विशिष्ट आवश्यकताएं आदि शामिल है।

हिंसा और विपक्ष के बहिष्कार के बीच बांग्लादेश में वोटिंग जारी, 17 पोलिंग बूथ आग के हवाले

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में आम चुनाव के लिए आज वोटिंग हो रही है। देशभर में 42 हजार से अधिक मतदान केंद्रों पर स्थानीय समयानुसार सुबह 8:00 बजे मतदान शुरू हुआ और शाम 4:00 बजे (स्थानीय समय) तक बिना किसी रुकावट के जारी रहेगा। इस चुनाव में प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग के साथ–साथ कुल 27 पार्टियों ने हिस्सा लिया है, लेकिन बीएनपी समेत कई विपक्षी दलों ने इस चुनाव का बहिष्कार किया है। विपक्षी दलों ने मतदान के बीच हड़ताल बुलाई है। चुनाव आयोग के अनुसार 300 सीधे निर्वाचित संसदीय क्षेत्रों में से 299 के लिए कुल 1,970 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। एक स्वतंत्र उम्मीदवार की मृत्यु के कारण 300 सीटों में से एक पर चुनाव बाद में होगा। इन उम्मीदवारों में राजनीतिक दलों के 1,534 और 436 निर्दलीय उम्मीदवार शामिल हैं।इस दक्षिण एशियाई देश में लगभग 12 करोड़ पंजीकृत मतदाता हैं। मतदान समाप्ति के तुरंत बाद वोटों की गिनती मौके पर ही की जाएगी। मतदान प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए पूरे देश में सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है।

मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्जू की चीन यात्रा पर होगी नजर

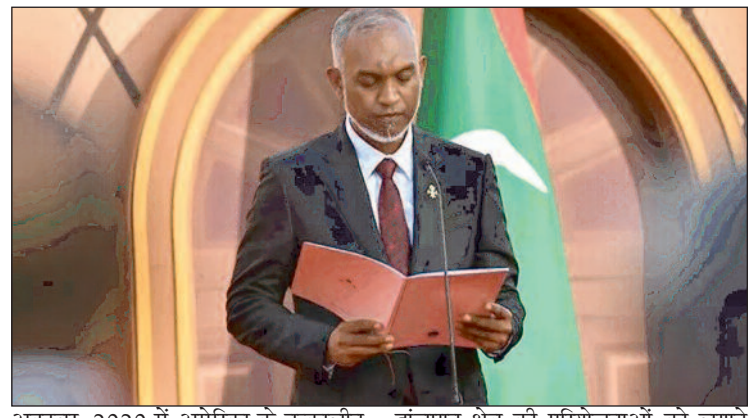

नई दिल्ली। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू सोमवार 08 जनवरी, 2024 को चीन की पांच दिवसीय यात्रा पर बीजिंग पहुंच रहे हैं। यह पहली बार हो रहा है कि मालदीव में लोकतांत्रिक तरीके से चयनित कोई राष्ट्रपति सत्ता में आने के बाद भारत की यात्रा पर नहीं आया हो। चीन के पुराने समर्थक रहे मुइज्जू इस यात्रा के दौरान किस तरह के समझौतों पर हस्ताक्षर करते हैं इस पर सिर्फ भारत की ही नहीं बल्कि क्वाड संगठन भी नजर होगी।

हिंद प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती आक्रामक गतिविधियों की निगरानी और इस पर नियंत्रण के लिए दीर्घकालिक तैयारी करना अमेरिका, भारत, जापान और आस्ट्रेलिया के संगठन क्वाड का एक प्रमुख दायित्व है और इस दायित्व को पूरा करने में मालदीव की भूमिका महत्वपूर्ण होने वाली है। एक दिन पहले शनिवार को अमेरिका के विदेश मंत्री एंथोनी ब्लिंकन ने मूसा जमीर से बात की है और इसे राष्ट्रपति मुइज्जू की चीन यात्रा से जोड़ कर देखा जा रहा है।

अमेरिका अभी तक नहीं खोल पाया है पूरा दूतावास

मालदीव में क्वाड की अहमियत का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि अक्टूबर, 2020 में अमेरिका के तत्कालीन विदेश मंत्री माइकल पोम्पियो ने वहां का दौरा किया था और रक्षा व आर्थिक सहयोग का समझौता किया था। अमेरिका ने इस छोटे से द्वीप देश में अपना पूर्णकालिक दूतावास खोलने का ऐलान किया था। अभी कोलंबो दूतावास से मालदीव को संचालित किया जाता है। अमेरिका अभी तक पूरा दूतावास नहीं खोल पाया है।

चीन को लेकर राष्ट्रपति मुइज्जू का प्रेम भारत को दे सकता है झटका

दूसरी तरफ भारत क्वाड के एक दूसरे देश जापान के साथ मिल कर मालदीव में कुछ ढांचागत क्षेत्र की परियोजनाओं को लगाने का अध्ययन कर रहा है। चीन को लेकर राष्ट्रपति मुइज्जू का प्रेम भारत व अमेरिका की तैयारियों को झटका मिल सकता है। वैसे मुइज्जू ने सत्ता संभालने के बाद यह स्पष्ट करने में कोई कोताही नहीं की भारत के साथ रिश्ते उनकी प्राथमिकता में नहीं है। पहले भारत से अपनी सैनिकों को वहां से हटाने की बात करना, भारत, मारीशस व श्रीलंका के साथ कोलंबो सुरक्षा बैठक से अपने आपको अलग करना और फिर भारत के साथ जल विज्ञान समझौते को रद्द करने जैसै कदम उनकी सरकार उठा चुकी है।

आदित्य एल–1 का सूर्य नमस्कार, भारत को कामयाबी, पांच महीने बाद लक्ष्य पर पहुंचा इसरो का सौर मिशन

बंगलूर, एजेंसी। भारत ने नए साल पर अंतरिक्ष में एक और इतिहास रच दिया है। चंद्रयान–3 की सफलता के बाद भारत का पहला सोलर मिशन 'आदित्य एल1' शनिवार शाम चार बजे के करीब अपने लक्ष्य पर पहुंच गया। भारतीय स्पेस एजेंसी इसरो ने इसे कमांड देकर एल1 प्वॉइंट की हैलो ऑर्बिट पर पहुंचा दिया। यान को पृथ्वी से लगभग 15 लाख किलोमीटर दूर सूर्य–पृथ्वी प्रणाली के 'लैग्रेंज प्वाइंट 1' (एल 1) के आसपास एक प्रभामंडल कक्षा में स्थापित किया गया है। अब यह पांच साल तक सूर्य की स्टडी करेगा। इस तरह दो सितंबर को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा से सूर्य की ओर शुरू हुई 15 लाख किलोमीटर की यह यात्रा अपने मुकाम पर पहुंच गई।

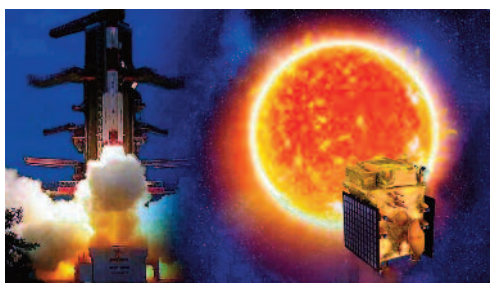

400 करोड़ रुपए का यह मिशन अब भारत समेत पूरी दुनिया के सेटेलाइट्स को सौर तूफानों से बचाएगा। उधर, इस अहम कामयाबी पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट करके बधाई दी है। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा है कि भारत ने एक और उपलब्धि हासिल की। भारत की पहली सौर वेधशाला आदित्य–एल1 अपने गंतव्य तक पहुंची। पीएम मोदी ने आगे लिखा है कि यह सबसे जटिल और पेचीदा अंतरिक्ष अभियानों को साकार करने में हमारे वैज्ञानिकों के अथक समर्पण का प्रमाण है।

हम मानवता के लाभ के लिए विज्ञान की नई सीमाओं को आगे बढ़ाना जारी रखेंगे। आदित्य की यात्रा दो सितंबर, 2023 को को शुरू हुई थी। पांच महीने बाद छह जनवरी, 2024 की शाम यह सेटेलाइट एल1 प्वाइंट पर पहुंच गया। इस प्वाइंट के चारों तरफ मौजूद सोलर हैलो ऑर्बिट में तैनात हो चुका है। हैलो ऑर्बिट में डालने के लिए आदित्य एल1 सह्यटेलाइट के थ्रस्टर्स को थोड़ी देर के लिए ऑन किया गया। इसमें कुल मिलाकर 12 थ्रस्टर्स हैं। आदित्य को एल1 प्वाइंट पर डालना एक चुनौतीपूर्ण काम था। इसमें गति और दिशा का सही तालमेल जरूरी था। इसके लिए इसरो को यह जानना जरूरी था कि उनका स्पेसक्राफ्ट कहां था। कहां है और कहां जाएगा।

उसे इस तरह ट्रैक करने के प्रोसेस को ऑर्बिट डिटरमिनेशन कहते हैं। आदित्य–एल1 मिशन की प्रोजेक्ट डायरेक्टर निगार शाजी ने बताया है कि ये मिशन सिर्फ सूरज की स्टडी करने में मदद नहीं करेगा, बल्कि करीब 400 करोड़ रुपए का प्रोजेक्ट सौर तूफानों की जानकारी भी देगा, जिससे भारत के पचासों हजार करोड़ रुपए के पचासों सेटेलाइट को सुरक्षित किया जा सकेगा। जो भी देश इस तरह की मदद मांगेगा, उन्हें भी मदद की जाएगी। ये प्रोजेक्ट देश के लिए बेहद जरूरी है।

अभिमन्यु ईश्वरन इंग्लैंड लायंस के खिलाफ अभ्यास मैच के लिए भारत 'ए' टीम के कप्तान होंगे

नई दिल्ली , बंगाल के कप्तान अभिमन्यु ईश्वरन को इस महीने के अंत में इंग्लैंड लायंस के खिलाफ होने वाले दो दिवसीय अभ्यास मैच और पहले मल्टी–डे मैच के लिए भारत 'ए' टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है। भारत 'ए' इंग्लैंड लायंस के इस दौरे में कुल 3 बहु–दिवसीय मैच खेलेगी।

बंगाल के लिए लाल गेंद के शानदार सलामी बल्लेबाज ईश्वरन हाल ही में भारत की टेस्ट टीम के सदस्य थे, जिसने घायल रुतुराज गायकवाड़ के प्रतिस्थापन के रूप में शामिल होने के बाद दक्षिण अफ्रीका में दो मैचों की श्रृंखला ड्रा कराई थी।

उन्होंने पिछले महीने बेनोनी के विलोमूर पार्क में दक्षिण अफ्रीका 'ए' के खिलाफ अपने आखिरी चार दिवसीय मैच में भारत 'ए' की कप्तानी भी की थी, जहां उन्होंने 18 रन बनाए थे। भारत 'ए' टीम के नियमित खिलाड़ी, ईश्वरन को 2021 में इंग्लैंड के खिलाफ अपनी घरेलू श्रृंखला के लिए भारत की टेस्ट टीम के पांच स्टैंडबाय खिलाडियों में से एक के रूप में नामित किया गया था।

उन्हें 2021 आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल के लिए और उस वर्ष के अंत में इंग्लैंड के खिलाफ टीम की विदेशी श्रृंखला के लिए भारत की टेस्ट टीम में चार स्टैंडबाय खिलाडियों में से एक के रूप में भी नामित किया गया था। ईश्वरन ने 89 प्रथम श्रेणी मैचों में 47.03 की औसत से 6585 रन बनाए थे, जिसमें 22 शतक और 26 अर्धशतक शामिल हैं।

13 सदस्यीय टीम में बाएं हाथ के बल्लेबाज साई सुदर्शन भी शामिल हैं, जिन्होंने पिछले महीने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपनी पहली वनडे सीरीज में दो अर्द्धशतक लगाए

थे, साथ ही रजत पाटीदार भी शामिल थे, जिन्हें पार्ल में अंतिम वनडे में अपनी पहली वनडे कैप सौंपी गई थी। विकेटकीपर–बल्लेबाज केएस भरत और तेज गेंदबाज नवदीप सैनी भारत 'ए' टीम के अन्य कैप्ड खिलाड़ी हैं।

बल्लेबाज सरफराज खान और प्रदोष रंजन पॉल, साथ ही विकेटकीपर–बल्लेबाज ध्रुव जुरेल, बाएं हाथ के स्पिनर मानव सुथार, ऑफ स्पिनर पुलकित नारंग, और तुषार देशपांडे, विदवथ कावरप्पा और आकाश दीप की तेज गेंदबाजी तिकड़ी शेष भारत 'ए' टीम का हिस्सा है।

भारत 'ए' के खिलाफ इंग्लैंड लायंस के मैच दो दिवसीय अभ्यास मैच के साथ शुरू होंगे, जो 12 जनवरी से शुरू होगा और नरेंद्र मोदी स्टेडियम ग्राउंड 'बी', अहमदाबाद में खेला जाएगा। 17 जनवरी से शुरू होने वाला पहला चार दिवसीय मैच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा।

भारत 'ए' टीमः अभिमन्यु ईश्वरन (कप्तान), साई सुदर्शन, रजत पाटीदार, सरफराज खान, प्रदोष रंजन पॉल, केएस भरत (विकेटकीपर), मानव सुथार, पुलकित नारंग, नवदीप सैनी, तुषार देशपांडे, विदवथ कावेरप्पा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), आकाश दीप।

चीन ने डब्ल्यूटीटी पुरुष फाइनल्स में एकल और युगल खिताब जीते

दोहा , चीन ने 2023 विश्व टेबल टेनिस (डब्ल्यूटीटी) पुरुष फाइनल्स में एकल और युगल दोनों में 1–2 स्थान हासिल किया।

वांग चुकिन ने दुनिया के नंबर 1 फैन ज़ेंडॉन्ग को 11–8, 11–9, 14–12, 11–7 से हराकर एकल चैंपियन का खिताब जीता, जबकि युआन लिसेन और जियांग पेंग ने लिन गाओयुआन और लिन शिदोंग को युगल फाइनल में 11–8, 11–2 11–8 से हराया। वांग ने कहा, मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं इतने स्कोर से जीतूंगा। भाई डोंग (फैन ज़ेंडॉन्ग) के खिलाफ खेलते हुए, मेरे ऊपर बिल्कुल भी बोझ नहीं था और पूरा दबाव उसकी तरफ था। मैं उसे चुनौती देने की मानसिकता के साथ मैच में उतरा था। . एकल और युगल सेमीफाइनल एक ही दिन हुए, और वांग चुकिन, जिन्होंने फैन ज़ेंडॉन्ग के साथ जोड़ी बनाई, सेमीफाइनल में लिन गाओयुआन और लिन शिदोंग से 11–8, 11–9, 12–10 से हार गए, उन्होंने एक साथ दिन में तीन मैच खेले। उन्होंने एकल सेमीफ़ाइनल में जर्मनी के किउ डांग को 4–0 से हराया, जिन्होंने लगातार दो चीनी पैडलर्स, ली शिदोंग और लियांग जिंगकुन को बाहर कर दिया। फैन ने दूसरे सेमीफाइनल में लिन गाओयुआन पर 4–0 से जीत दर्ज की।युगल खिताब जीतने के बाद युआन और जियांग ने खुशी व्यक्त की। हम बहुत खुश हैं। हमें उम्मीद नहीं थी कि मैच इतना आसानी से चलेगा, लेकिन हमने कोर्ट पर अपना संयम बनाए रखा।

पीकेएल 10 : गुजरात जायंट्स ने तेलुगू टाइटंस को 37—30 से हराकर शानदार वापसी की

मुंबई ,डोम बाई एनएससीआई, मुंबई में खेले गए प्रो कबड्डी लीग सीजन 10 में गुजरात जायंट्स ने तेलुगू टाइटंस को 37–30 से हराकर अंक तालिका में दूसरा स्थान हासिल कर लिया। जायंट्स के डिफेंडर दीपक सिंह ने शानदार नौ टैकल अंक जुटाकर अपनी टीम को वापसी में जीत दर्ज करने में मदद की। इस बीच टाइटंस तालिका में सबसे नीचे है और अब चार मैचों में हार का सिलसिला जारी है। सहरावत ने खेल की शुरुआत की, सीटी बजते ही सुपर रेड मारकर अपनी टीम को बढ़त दिला दी। दोनों टीमों के बीच नियमित अंतराल पर छापेमारी के साथ काफी देर तक आगे–पीछे का दौर चला। टाइटंस की रेडिंग काफी हद तक सहरावत पर निर्भर थी और उन्होंने अपनी फॉर्म के अनुरूप पहले हाफ में अपनी टीम के आधे से अधिक रेड अंक हासिल किए। जबकि दिग्गजों की दुर्जेय रक्षा ने टाइटंस को अपने पैर की उंगलियों पर रखा, हाफ के अंतिम पांच मिनटों में टाइटंस ने उन्हें जीवित रखा। ऑल–आउट का सामना करते हुए टाइटंस के रेडर एस. संजीवी ने खेल में बने रहने के लिए जायंट्स की रक्षापंक्ति की त्रुटियों की एक श्रृंखला का फायदा उठाया। वहां से उन्होंने एक के बाद एक तीन सुपर टैकल किए, न केवल ऑल–आउट को रोका, बल्कि ब्रेक पर भी बढ़त बनाए रखी। पहले हाफ के प्रतिरोध के बावजूद जायंट्स को खेल का पहला ऑल–आउट करने में ज्यादा समय नहीं लगा, क्योंकि टाइटंस ने अपनी बढ़त को एक अंक तक कम कर दिया। बढ़त अधिक समय तक नहीं टिकी, क्योंकि दिग्गजों ने अपने गेमप्ले को तेज़ कर दिया और टाइटंस लडखड़ा गए। बहुत सारी रक्षात्मक त्रुटियां और सहरावत को पुनर्जीवित करने में उनकी असमर्थता के कारण उन्हें एक चौथाई से भी कम खेल खेलने के साथ दूसरी बार ऑल–आउट का सामना करना पड़ा। एक बार बढ़त बनाने के बाद दिग्गजों ने अपनी पकड़ ढीली नहीं की, क्योंकि उन्होंने शानदार वापसी की और जीत के हकदार थे।

चेक गणराज्य की महिला हॉकी टीम रांची पहुंची, पहली बार ओलंपिक में जगह बनाने का लक्ष्य

रांची ,चेक गणराज्य की महिला हॉकी टीम जोश और दृढ़ संकल्प के साथ रांची पहुंची और उनकी निगाहें पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए क्वालीफाई करके ओलंपिक में अपनी पहली सीट सुरक्षित करने पर टिकी हैं। टीम, जो वर्तमान में विश्व स्तर पर 25वें स्थान पर है, एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर रांची 2024 में अपना कौशल दिखाने के लिए तैयारी करते हुए उत्साह और तत्परता दिखा रही है।

कैटरीना लासीना के नेतृत्व में और मुख्य कोच गैरेथ ग्रुंडी के कुशल मार्गदर्शन में, चेक गणराज्य की टीम आगे आने वाली चुनौती के लिए तैयार है।

चेक गणराज्य खुद को पूल ए में रखता है, जहां वे 13 जनवरी को अपने शुरुआती गेम में पूर्व एशियाई खेलों के चैंपियन जापान के खिलाफ अपनी खोज शुरू करेंगे। इसके बाद, वे 14 जनवरी को टूर्नामेंट के अपने दूसरे मैच में चिली से भिडने के लिए तैयार हैं। उनका अंतिम पूल मैच 16 जनवरी को ओलंपिक रजत पदक विजेता जर्मनी के खिलाफ निर्धारित है।

मैदान में अन्य टीमों में पूल बी में मेजबान भारत, न्यूजीलैंड, इटली और संयुक्त राज्य अमेरिका शामिल हैं। टूर्नामेंट की शीर्ष 3 टीमें पेरिस ओलंपिक गेम्स 2024 के लिए क्वालीफाई करेंगी।

रांची में गर्मजोशी और आनंदमय स्वागत के बीच पहुंचने पर, टीम ने उच्चतम स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने और इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में अपनी छाप छोडने की उत्सुकता व्यक्त की। दुर्जेय विरोधियों के खिलाफ आगामी मैच उनके दृढ़ संकल्प और सफलता की भूख का प्रमाण हैं।

टूर्नामेंट की तैयारियों और रणनीतियों के बारे में बात करते हुए, कप्तान कैटरीना लासीना ने कहा, हमारा प्रशिक्षण कार्यक्रम हमारी शारीरिक क्षमता को बढ़ाने पर केंद्रित था, जो हमारे खेल का एक महत्वपूर्ण पहलू है। इसके अतिरिक्त, हम फ्रांस, यूक्रेन और नीदरलैंड की अंडर21 टीम के खिलाफ मूल्यवान तैयारी खेलों में लगे हुए हैं। टीम में कई युवा प्रतिभाएं होने के कारण, हमारी रणनीति मैदान पर अपनी टीम की ताकत और कौशल दिखाने के लिए शीर्ष स्तर की हॉकी के साथ खेल की एक गतिशील, शारीरिक शैली के इर्द–गिर्द घूमती है। हम यहां लडने और प्रतिस्पर्धा करने के लिए हैं और हमें विश्वास है कि हम पेरिस ओलंपिक में जगह बना सकते हैं।

उच्च रैंकिंग वाले जर्मनी के खिलाफ टीम के महत्वपूर्ण मुकाबले पर आगे बोलते हुए, लासीना ने कहा, हम जर्मनी के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए तैयार हैं।

विराट कोहली और रोहित शर्मा अभी भी महान क्षेत्ररक्षक : सुनील गावस्कर

नई दिल्ली ,भारत के महान क्रिकेटर सुनील गावस्कर का मानना है कि 2024 आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप में विराट कोहली और रोहित शर्मा की सीनियर जोड़ी के होने से टीम को काफी फायदा होगा। उन्होंने कहा कि ये जोड़ी अभी भी महान क्षेत्ररक्षक हैं और मैदान पर उनसे काफी मदद मिलेगी।

ऑस्ट्रेलिया के एडिलेड में 2022 पुरुष टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में भारत को इंग्लैंड के हाथों दस विकेट से हार का सामना करने के बाद विराट और रोहित दोनों ने कोई टी20 मैच नहीं खेला है। वेस्टइंडीज और यूएसए में 1–29 जून तक होने वाले 2024 टी20 विश्व कप के साथ, यह देखना बाकी है कि इस मेगा इवेंट के लिए इन दोनों को भारतीय टीम में शामिल किया जाएगा या नहीं। विराट 2023 पुरुष एकदिवसीय विश्व कप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी थे और उन्होंने प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का पुरस्कार जीता, जबकि रोहित ने बल्ले से पावर–प्ले में टीम को तेज शुरुआत

दी और ऑस्ट्रेलिया से फ़ाइनल हारने से पहले उन्हें प्रतियोगिता में लगातार दस जीत दिलाईं।

कोहली का फॉर्म पिछले डेढ़ वर्षों में शानदार रहा है। उन्होंने 2023 विश्व कप में अविश्वसनीय रूप से खेला, 3 शतकों के साथ 750 रन बनाए। इसलिए उनकी सीमित ओवरों की बल्लेबाजी के बारे में कोई संदेह नहीं है। लेकिन जो बात मुझे अच्छी लगती है वह उनकी क्षेत्ररक्षण क्षमता है। गावस्कर ने ब्रॉडकास्टर्स स्टार स्पोर्ट्स से कहा, विराट कोहली और रोहित शर्मा अभी भी महान क्षेत्ररक्षक हैं और मैदान पर बहुत मदद करेंगे। इसी तरह के विचार बाएं हाथ के पूर्व तेज गेंदबाज इरफान पठान ने भी व्यक्त किए, जो 2007 पुरुष टी20 विश्व कप विजेता भारतीय टीम के सदस्य थे। व्यक्तिगत रूप से, मैं विराट को मैदान पर देखना पसंद करूंगा क्योंकि जब हम दो साल पहले की बात करते हैं, तो निश्चित रूप से वह अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में नहीं थे। लेकिन पिछला आईपीएल और टी20 विश्व कप उनके लिए सबसे अद्भुत टूर्नामेंटों में से एक थे। इसके अलावा, जब आप वेस्ट इंडीज और यूएसए जैसे देशों में खेल रहे हैं, तो वहां काफी अज्ञात पिचें हैं, और यहां आपको मैदान के अंदर और बाहर दोनों जगह कोहली और रोहित शर्मा जैसे अनुभवी खिलाड़ियों की आवश्यकता होगी।

दोनों खिलाड़ियों का खेलना टीम प्रबंधन और उनकी फिटनेस पर भी निर्भर करता है, लेकिन मैं दोनों को मैदान पर देखना पसंद करूंगा, खासकर तब जब रोहित ने भी अपना फॉर्म बदल लिया है और वनडे क्रिकेट में खूब रन बना रहे हैं।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
—सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469 / 79
फोन / फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com